www.bharatsamvad.live
R.N.I.No- MAHHIN/2017/74173

सत्य का स्वर

भारत संवाद

मुंबई, प्रयागराज और लखनऊ से प्रकाशित

मौसम
अधिकतम तापमान 31.c
28.c न्यूनतम तापमान

बाजार
सोना 98.935g
चांदी 100,000kg

सोशल मीडिया पर भारत संवाद
https://x.com/BharatSamvad
www.facebook.com/bharatsamvad.in
www.youtube.com/@BharatSamvad-m3n
E-Paper bharatsamvad.live

2 याद रहे दल से बड़ा देश का संदेश, अभाव दिखना खटकता है
जीजा के पैर छुए, फिर कनपटी पर गोली मारी 04

वर्ष :08 | अंक :333 | मुंबई , रविवार, 25 मई , 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 2:00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

सीबीआई की बड़ी कामयाबीः अंगद सिंह चंडोक को अमेरिका से भारत लाया गया, बैंक धोखाधड़ी का है आरोप

चंडोक को एक अमेरिकी अदालत ने ऑनलाइन टेक सपोर्ट घोटाला चलाने के लिए दोषी ठहराया था, जिसमें अमेरिकी नागरिकों, खासकर वरिष्ठ नागरिकों से लाखों डॉलर की ठगी की गई थी।टेक सपोर्ट घोटाले के एक आरोपी अंगद सिंह चंडोक को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने अमेरिका से भारत प्रत्यर्पित कर दिया है। चंडोक को एक अमेरिकी अदालत ने ऑनलाइन टेक सपोर्ट घोटाला चलाने के लिए दोषी ठहराया था, जिसमें अमेरिकी नागरिकों, खासकर वरिष्ठ नागरिकों से लाखों डॉलर की ठगी की गई थी। आरोपों के अनुसार, चंडोक ने कई फर्जी कंपनियां बनाई और उनका इस्तेमाल टेक सपोर्ट स्कीम के जरिए चुराए गए फंड को भारत और दूसरे देशों में ट्रांसफर करने के लिए किया। अमेरिकी अदालत ने उसे दोषी पाया और छह साल जेल की सजा सुनाई।

गुजरात बॉर्डर पर एटीएस का एक्शन, एक और पाकिस्तानी जासूस गिरफ्तार

गुजरात आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने कच्छ सीमा के पास एक संदिग्ध पाकिस्तानी जासूस सहदेव सिंह गोहिल को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों के अनुसार, गोहिल कच्छ के दयापार में स्वास्थ्य कार्यकर्ता के रूप में काम कर रहा था, लेकिन कथित तौर पर पाकिस्तान की ओर से जासूसी गतिविधियों में शामिल था। रिपोर्ट्स बताती हैं कि गोहिल अदिति भारद्वाज नाम की एक महिला के संपर्क में आया था, जो सूत्रों के अनुसार एक पाकिस्तानी जासूस है। उसके निर्देशों पर काम करते हुए, गोहिल ने कथित तौर पर भारतीय नौसेना और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) से संबंधित संवेदनशील जानकारी पाकिस्तान को दी। बदले में, गोहिल को अपनी गतिविधियों के लिए 40,000 रुपये मिले। यह सामने आया है कि अदिति नाम का कोई वास्तविक व्यक्ति नहीं हो सकता है। इसके बजाय, संभवतः इस नाम का इस्तेमाल गोहिल से संपर्क बनाए रखने के लिए एक पाकिस्तानी हैंडलर द्वारा किया गया था। रिपोर्ट्स बताती हैं कि गोहिल पिछले एक साल से इस हैंडलर के संपर्क में था। आरोपी के मोबाइल फोन को जांच के लिए फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी भेजा गया है। सबसे ज्यादा चिंताजनक बात यह है कि पाकिस्तान के जासूसी नेटवर्क की पहुँच है, जिसके पास स्थानीय स्वास्थ्य कर्मियों की संपर्क जानकारी तक पहुँच है। गुजरात एटीएस अपनी जाँच जारी रखे हुए है और हाई अलर्ट पर है क्योंकि वह व्यापक जासूसी नेटवर्क का पदार्फाश करने और इसमें शामिल अन्य लोगों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए काम कर रही है।

टीम इंडिया की तरह मिलकर काम करे केंद्र और राज्य सरकार, तो कोई भी लक्ष्य नहीं होगा मुश्किलः पीएम मोदी

विकसित भारत हर भारतीय का लक्ष्य, नीति आयोग की बैठक में बोले पीएम मोदी

नीति आयोग

नीति आयोग की सर्वोच्च संस्था परिषद में सभी राज्यों के मुख्यमंत्री, केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपाल और कई केंद्रीय मंत्री शामिल हैं। प्रधानमंत्री मोदी नीति आयोग के अध्यक्ष हैं। बैठक में प्रधानमंत्री ने कहा कि हमें विकास की गति बढ़ानी है।

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में नीति आयोग की 10वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक शनिवार को हुई। गवर्निंग काउंसिल की बैठक का विषय है 'विकसित भारत@2047 के लिए विकसित राज्य'। नीति आयोग की सर्वोच्च संस्था परिषद में सभी राज्यों के मुख्यमंत्री, केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपाल और कई केंद्रीय मंत्री शामिल हैं। प्रधानमंत्री मोदी नीति आयोग के अध्यक्ष हैं। बैठक में प्रधानमंत्री ने कहा कि हमें विकास की गति बढ़ानी है। अगर केंद्र और सभी राज्य एक साथ मिलकर टीम इंडिया की तरह काम करें तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है। मोदी ने कहा कि विकसित भारत हर भारतीय का लक्ष्य है। जब हर राज्य विकसित होगा, तो भारत भी विकसित होगा। यह 140 करोड़ नागरिकों की आकांक्षा है। उन्होंने कहा कि राज्यों को वैश्विक मानकों के अनुरूप तथा सभी सुविधाएं और बुनियादी ढांचा प्रदान करके प्रत्येक राज्य में कम से कम एक पर्यटन स्थल विकसित करना चाहिए। एक राज्यः एक वैश्विक गंतव्य। इससे पड़ोसी शहरों का भी पर्यटन स्थल के रूप में विकास होगा।

बैठक में पीएम ने क्या-क्या कहा...

- ग्लोबल स्टैंडर्ड के अनुसार हर मुख्यमंत्री को अपने राज्य में कम से कम एक टूरिस्ट प्लेस विकसित करना चाहिए।
- भारत में तेजी से शहरीकरण हो रहा है। हमें भविष्य के लिए तैयार शहरों की दिशा में काम करना चाहिए।
- डेवलपमेंट, मॉर्डनाइजेशन और स्थिरता हमारे शहरों के विकास का इंजन होना चाहिए।
- हमें विकास की गति बढ़ानी होगी। अगर केंद्र और सभी राज्य एक साथ मिलकर टीम इंडिया की तरह काम करें तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है।

3 राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने मीटिंग में हिस्सा नहीं लिया नीति आयोग की मीटिंग में तीन राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने हिस्सा नहीं लिया। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने पहले से निर्धारित कार्यक्रम का हवाला देते हुए मीटिंग में हिस्सा नहीं लिया। वहीं केरल के उट पिनाराई विजयन ने अपनी ओर से अपने कैबिनेट सहयोगी के एन बालगोपाल को भेजा। इसी तरह, पुडुचेरी के मुख्यमंत्री एन रंगासामी भी बैठक में शामिल नहीं हुए।

पाक गोलीबारी के पीड़ित परिवारों से मिले राहुल

राष्ट्रीय स्तर पर उठाऊंगा मुद्दा; बच्चों से कहा- आई लव यू, खूब पढ़ो और दोस्त बनाओ

कांग्रेस नेता ने कहा कि यह बहुत बड़ी त्रासदी थी और इसमें कई लोगों की जान चली गई। बहुत बड़ा नुकसान हुआ है। मैंने लोगों से बात की और उनकी समस्याओं को समझने की कोशिश की।

एजेंसी

भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान ने क्रॉस-बॉर्डर शेलिंग की थी

पहलगाम की बायसरन घाटी में 22 अप्रैल की दोपहर आतंकवादियों ने पर्यटकों पर फायरिंग की थी। हमले में 26 टूरिस्ट मारे गए थे। 10 से ज्यादा घायल हुए थे। इसके बाद भारतीय वायु सेना ने 6-7 मई 2025 की रात को कार्रवाई की थी। इसमें पाकिस्तान और ढङ्गङ में 9 आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की गई थी, जिसमें जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन से जुड़े 100 आतंकी मारे गए थे।

जम्मू-कश्मीर। राहुल गांधी जम्मू-कश्मीर के पुंछ पहुंचे हैं। उन्होंने यहां पाकिस्तानी गोलाबारी में मारे गए लोगों के परिवारों से मुलाकात की। वे स्कूली बच्चों से भी मिले, उनका हौसला बढ़ाया और कहा कि मैं आपसे बहुत प्यार करता हूं।राहुल ने कहा कि सब जल्दी ठीक हो जाएगा। आप इन हालात से बाहर आने के लिए खूब पढ़ाई करें, खूब खेलें और स्कूल में बहुत सारे दोस्त बनाएं।पाकिस्तानी गोलाबारी से प्रभावित परिवारों से मुलाकात के बाद राहुल ने कहा कि ये बड़ी त्रासदी है। बहुत से लोगों की जान गई है और उन्हें काफी नुकसान हुआ है। मैंने उनसे बात की, उनकी परेशानियों को समझने की कोशिश की। उन्होंने मुझसे कहा कि वे कुछ मुद्दे राष्ट्रीय स्तर पर उठाना चाहते हैं, और मैं उन्हें जरूर उठाऊंगा। इस हमले के बाद पाकिस्तान ने क्रॉस-बॉर्डर शेलिंग की थी। पाकिस्तान की गोलाबारी, मिसाइलों और ड्रोन हमलों में 27 लोगों की मौत हो गई थी और 70 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद यह राहुल का दूसरा दौरा है। इससे पहले वे 25 अप्रैल को श्रीनगर पहुंचे थे। यहां उन्होंने उट उमर अब्दुल्ला, एलजी मनोज सिन्हा और घायलों से मुलाकात की थी। राहुल गांधी से पहले तृणमूल कांग्रेस के 5 सदस्य सांसद डेरेक ओ ब्रायन, सागरिका घोष, मोहम्मद नदीमुल हक, पश्चिम बंगाल के मंत्री मानस भुनिया और पूर्व सांसद ममता ठाकुर 3 दिन से पुंछ-राजौरी के दौरे पर रहे।

मंगल पांडे को प्रशांत किशोर ने दी चुनाव लड़ने की चुनौती

बताया मनोनयन वाला नेता, बीजेपी नेता ने दिया जवाब

एजेंसी

प्रशांत किशोर ने कहा कि मंगल पांडे बहुत बड़ी बातें करते हैं, वे राजनीतिक या प्रशासनिक रूप से कुछ नहीं कर पाए हैं। मंगल पांडे पर भाजपा की तरफ से चुनाव लड़ने का दबाव है, वे सिर्फ एक सिफारिशी नेता हैं।

जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर चुनावी दौरे पर हैं। प्रशांत किशोर का काफिला सीवान पहुंचा था। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय पर जमकर निशाना साधा। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने मंगल पांडेय को बड़बोला बताया। प्रशांत किशोर ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री के तौर पर मंगल पांडेय का काम एनएमसीएच में हुई घटना से जाहिर होता है। एनएमसीएच में एक मरीज के पैर के अंगूठे चूहे खा गए थे। उन्होंने कोरोना काल में नाकामी के लिए स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय को जिम्मेदार ठहराया। प्रशांत किशोर ने कहा कि मंगल पांडे बहुत बड़ी बातें करते हैं, वे राजनीतिक या प्रशासनिक रूप से कुछ नहीं कर पाए हैं। मंगल पांडे पर भाजपा की तरफ से चुनाव लड़ने का दबाव है, वे सिर्फ. एक सिफारिशी नेता हैं। लोग बदलाव चाहते हैं, बिहार में हर कोई बदलाव और सुधार चाहता है। अगले 5 महीने में लोगों के पास विकल्प है कि वे पिछले 30-35 सालों में आजमाए गए विकल्पों को चुनें या जन सुराज को चुनें। बदलाव तय है। बिहार में सत्ता परिवर्तन होगा, नया मुख्यमंत्री चुना जाएगा, यह तय है। कौन चुना जाएगा, यह 4-5 महीने में तय हो जाएगा। उन्होंने मंगल पांडे पर कटाक्ष करते हुए उन्हें मनोनयन वाला नेता बताया। उन्होंने मंगल पांडे की बिहार भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर की गई नाकामियों को गिनाया। प्रशांत किशोर ने कहा, 2015 के विधानसभा चुनाव में भाजपा 200 सीटें जीतने का दावा कर रही थी। नतीजे आने के बाद भाजपा 55 सीटों पर सिमट गई। भाजपा ने मंगल पांडे को बंगाल का प्रभारी बनाकर लोकसभा चुनाव की जिम्मेदारी सौंपी। लोकसभा चुनाव में भाजपा को हार का सामना करना पड़ा। आपको बता दें कि प्रशांत किशोर 'बिहार बदलाव यात्रा' के तहत जनता के बीच पहुंच रहे हैं। हालांकि, मंगल पांडेय ने भी प्रशांत किशोर पर पलटवार किया है।

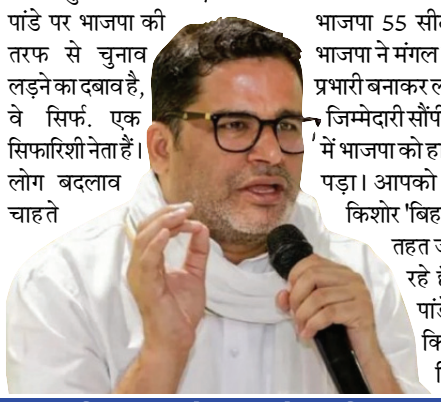

सुहाग खोने वाली महिलाओं में वीरांगनाओं जैसा जोश नहीं था, इसलिए 26 लोग मरे

पहलगाम हमला- अब हरियाणा के भाजपा सांसद का विवादित बयान

जांगड़ा ने कहा- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं में वीरता की भावना पैदा करने के लिए एक बहुत बड़ी योजना (अग्निवीर) चलाई। पहलगाम हमले के बाद पूरा देश महसूस कर रहा है कि अगर मोदी देश के युवाओं को जो ट्रेनिंग देना चाहते हैं, वह ट्रेनिंग यात्रियों के पास होती तो 3 आतंकवादी 26 लोगों को नहीं मार पाते।

एजेंसी

भिवानी, पहलगाम आतंकी हमले पर अब हरियाणा से बीजेपी के राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अपना सुहाग खोने वाली महिलाओं में वीरांगना का भाव व जोश नहीं था, इसलिए 26 लोग गोली का शिकार बने।सांसद ने कहा कि पर्यटक हाथ जोड़कर मारे गए। अगर प्रधानमंत्री की योजना के तहत ट्रेनिंग लेते और सामना करते तो इतनी मौतें नहीं होतीं। वे शनिवार को भिवानी के पंचायत भवन में आयोजित अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी स्मृति अभियान जिला संगोष्ठी कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। अगर यात्रियों के हाथ में लाठी, डंडा कुछ भी होता और वे चारों तरफ से आतंकवादियों की तरफ दौड़ते, तो मैं दावा करता हूं कि शायद 5 या 6 लोगों की ही जान जाती, लेकिन तीनों आतंकवादी भी मारे जाते।पहलगाम की बायसरन घाटी में 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने 26 टूरिस्ट की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इसके बदले में भारतीय सेना ने 7 मई को पाकिस्तान और 9 आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की थी।

नीति आयोग की बैठक में शामिल नहीं हुई ममता बनर्जी, भाजपा और कांग्रेस ने उठाए सवाल

एजेंसी

पश्चिम बंगाल। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी शनिवार को नई दिल्ली में नीति आयोग की बैठक में शामिल नहीं हुईं। हालांकि, सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री की अनुपस्थिति में बैठक में पश्चिम बंगाल का प्रतिनिधित्व कौन करेगा, इस बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया गया है। सूत्रों के हवाले से बताया कि बैठक में मुख्य सचिव मनोज पंत के मौजूद रहने की संभावना है। प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में नीति आयोग की 10वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक राष्ट्रीय राजधानी में चल रही है।

देश में आज से 2 जून तक नौतपा

राजस्थान में पारा 48डिग्री पहुंचा; एमपी के 17, यूपी के 65 जिलों में बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग ने शनिवार को देश के 28 राज्यों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। इधर, पश्चिमी राजस्थान में गर्मी जारी है। 16 जिलों में 27 मई तक हीटवेव का रेड अलर्ट है।

एजेंसी

नई दिल्ली, देश में 25 मई से 2 जून तक नौतपा शुरू हो रहे हैं। इस दौरान भयंकर गर्मी पड़ती है। कई राज्यों में तापमान 48डिग्री तक जाने की संभावना है। 2024 में दिल्ली के मुंगेशपुर में नौतपा के दौरान तापमान 52.डिग्री तक पहुंच गया था, जो रिकॉर्ड है।

आज भी 11 जिलों में लू की चेतावनी है। राज्य के जैसलमेर में शुक्रवार को सबसे ज्यादा 48डिग्री तापमान रहा था। मध्य प्रदेश के 4 जिलों में आज सुबह से तेज आंधी चल रही है। 17 जिलों में बारिश की संभावना है। यूपी के 65 जिलों में बारिश और बिजली गिरने का अलर्ट है।इस दौरान 40 से 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है।छत्तीसगढ़ में प्री-मानसून की एंट्री हो गई है। अगले 7 दिनों तक बारिश का येलो अलर्ट है। रायपुर-दुर्ग में सुबह से ही तेज बारिश हुई। बिहार के सभी 38 जिलों में बारिश की संभावना है। पंजाब के 12 जिलों में बारिश 4 जिलों में लू चल रही है।हरियाणा में 7 जिलों में लू चलने का येलो अलर्ट है। हिमाचल के 8 जिलों में ओलावृष्टि व तूफान का ऑरेंज अलर्ट है।इसके आज ही तमिलनाडु और कर्नाटक के कई इलाकों में भी पहुंचने की संभावना है। एक हफ्ते में देश के दक्षिणी और पूर्वोत्तर राज्यों जबकि 4 जून तक मध्य और पूर्वी भारत को कवर कर सकता है।आम तौर पर मानसून 1 जून को केरल पहुंचता है और 8 जुलाई तक पूरे देश को कवर कर लेता है। यह 17 सितंबर के आसपास वापस लौटना शुरू करता है और 15 अक्टूबर तक पूरी तरह से वापस चला जाता है।

मानसून ने केरल में 16 वर्षों में पहली बार समय से पहले दी दस्तक

दक्षिण भारत में भारी बारिश की चेतावनी

दक्षिण-पश्चिम मानसून, जो भारत में वार्षिक वर्षा का 75 प्रतिशत से अधिक लाता है, ने केरल तट पर अपनी शुरूआत की है, जो पिछले 16 वर्षों में इसका सबसे पहले आगमन है। पिछली बार यह इतनी जल्दी 2009 में आया था, जब यह 23 मई को भारतीय तट पर पहुंचा था।

एजेंसी

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने कहा कि दक्षिण-पश्चिम मानसून शनिवार (24 मई) को केरल पहुंचा, जो 2009 के बाद से भारतीय मुख्य भूमि पर सबसे पहले दस्तक देने वाला है। 2009 में 23 मई को मानसून की शुरूआत हुई थी। आम तौर पर, दक्षिण-पश्चिम मानसून 1 जून तक केरल में दस्तक देता है और 8 जुलाई तक पूरे देश को कवर कर लेता है। यह 17 सितंबर के आसपास उत्तर-पश्चिम भारत से पीछे हटना शुरू करता है और 15 अक्टूबर तक पूरी तरह से वापस चला जाता है। आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले साल 30 मई को दक्षिणी राज्य में मानसून पहुंचा था; 2023 में 8 जून को; 2022 में 29 मई को; 2021 में 3 जून को; 2020 में 1 जून को; 2019 में 8 जून को; और 2018 में 29 मई को।

बेनकाब कनिमोझी ने रूस में पाकिस्तान को किया बेनकाब

भारत के पास जवाब देने के अलावा कोई विकल्प नहीं था...

एजेंसी

डीएमके नेता ने कहा कि हमने केवल उन प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया जहां आतंकवादियों को पनाह दी गई और प्रशिक्षित किया गया। उन्होंने जवाबी कार्रवाई जारी रखी, गुरुद्वारों, मंदिरों, आवासीय क्षेत्रों को निशाना बनाया जहां भारतीय नागरिक रहते थे, और यहां तक कि हमारे सैन्य ठिकानों को भी।

नयी दिल्ली। आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में भारत की निरंतर प्रतिबद्धता के हिस्से के रूप में, डीएमके की कनिमोझी करुणानिधि के नेतृत्व में एक सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने रूसी संघ में कई उच्च-स्तरीय बैठकें कीं। प्रतिनिधिमंडल ने रूसी संसद के दोनों सदनों के सदस्यों और प्रमुख थिंक टैंकों के साथ बातचीत की। उन्होंने कहा कि भारत के पास जवाब देने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। लेकिन जब भारत ने जवाब दिया, तो हमने जिम्मेदारी से जवाब दिया। हमने सुनिश्चित किया कि कोई भी नागरिक प्रभावित न हो, सैन्य ठिकानों को कोई नुकसान न पहुंचे। डीएमके नेता ने कहा कि हमने केवल उन प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया जहां आतंकवादियों को पनाह दी गई और प्रशिक्षित किया गया। उन्होंने जवाबी कार्रवाई जारी रखी, गुरुद्वारों, मंदिरों, आवासीय क्षेत्रों को निशाना बनाया जहां भारतीय नागरिक रहते थे, और यहां तक कि हमारे सैन्य ठिकानों को भी। उन्होंने आगे कहा कि पंडित जवाहर लाल नेहरू से लेकर अटल बिहारी वाजपेयी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक, सभी ने भारत और पाकिस्तान के बीच स्थायी शांति लाने के प्रयास किए हैं।

उन्होंने कहा कि हमने हमेशा ही इस दिशा में पहल की है, लेकिन दुर्भाग्य से, जब भी शांति वार्ता चल रही होती है, तो भारत के विभिन्न हिस्सों में आतंकवादी हमलों के कारण हमें भी नुकसान उठाना पड़ता है,

और हर बार इसका संबंध पाकिस्तान से ही होता है। आखिरकार, अब समय आ गया है कि हम किसी भी बहाने को स्वीकार न करें और सच को सच कहें।

प्रधानमंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि आतंकवाद और आतंकवाद को प्रायोजित करना दो अलग-अलग चीजें नहीं हैं। सांसद कनिमोझी करुणानिधि (डीएमके), राजीव राय (एसपी), कैप्टन बृजेश चौटा (बीजेपी), प्रेम चंद गुप्ता (आरजेडी), डॉ. अशोक कुमार मित्तल (आप) और पूर्व राजदूत मंजीव एस पुरी सहित एक प्रतिनिधिमंडल ने मॉस्को में भारतीय दूतावास में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

रूसी संघ में भारतीय राजदूत विनय कुमार ने प्रतिनिधिमंडल का गर्मजोशी से स्वागत किया।

देश की एकता और अखंडता पर सवाल उठाना राहुल गांधी की आदत... कांग्रेस नेता पर बरसे सिंधिया

केंद्रीय संचार मंत्री ने जयशंकर से पूछे गए सवालों के समय को लेकर भी कांग्रेस नेता की आलोचना की। सिंधिया ने कहा कि यहां तक कि जब आतंकवादियों और दुश्मनों का सामना करना पड़ रहा हो? ऐसे गंभीर समय में इस तरह के सवाल उठाना- यह किस तरह की विचारधारा है?

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने दावा किया है कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की आदत है कि वे देश की एकता पर सवाल उठाते हैं, भले ही भारतीय एकजुट हों। यह टिप्पणी राहुल गांधी द्वारा विदेश मंत्री एस जयशंकर से पूछे गए तीन सवालों के बारे में पूछे जाने के बाद आई है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि देश की एकता, अखंडता और सम्मान पर सवाल उठाना राहुल गांधी की आदत है, खासकर ऐसे समय में जब 140 करोड़ भारतीय एकजुट हैं और कुछ तत्व भारत की संप्रभुता और एकता पर सवाल उठा रहे हैं। केंद्रीय संचार मंत्री ने जयशंकर से पूछे गए सवालों के समय को लेकर भी कांग्रेस नेता की आलोचना की। सिंधिया ने कहा कि यहां तक कि जब आतंकवादियों और दुश्मनों का सामना करना पड़ रहा हो? ऐसे गंभीर समय में इस तरह के सवाल उठाना-यह किस तरह की विचारधारा है? न तो आप और न ही हम इसे समझ सकते हैं। कभी गांधी के करीबी रहे सिंधिया 2018 में कांग्रेस से अलग होकर भाजपा में शामिल हो गए थे। गांधी ने शुक्रवार को जयशंकर पर निशाना साधते हुए दावा किया कि भारत की विदेश नीति ध्वस्त हो गई है।

सम्पादकीय

खात्मे के कगार पर माओवादी, उनकी विचारधारा से लड़ाई जारी रखना जरूरी

हाल ही में छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ इलाके में सुरक्षा बलों ने माओवादियों के सबसे बड़े सरगना केशव राव उर्फ बसव राजू समेत 27 माओवादियों को मार गिराया। यह सुरक्षा बलों के लिए एक बड़ी सफलता है जबकि माओवादियों के लिए यह एक बड़ा झटका है। केंद्र सरकार ने अगले साल मार्च तक माओवाद को पूरी तरह से समाप्त करने का लक्ष्य रखा है। हाल में सुरक्षाबलों ने छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ इलाके में माओवादियों के सबसे बड़े सरगना केशव राव उर्फ बसव राजू सहित कुल 27 माओवादियों को मार गिराया। कम्युनिस्ट पार्टी आफ इंडिया (माओवादी) के राजू का मारा जाना जहां सुरक्षा बलों के लिए महत्वपूर्ण सफलता है, वहीं माओवादियों के लिए बड़ा झटका है। अपने संगठन का महासचिव होने के नाते राजू अपनी सुरक्षा के लिए पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी की एक टुकड़ी हमेशा साथ रखता था। इसके अलावा वह जहां भी जाता था, वहां की माओवादी इकाइयां उसकी सुरक्षा में लगी रहतीं। वैसे तो माओवाद के खिलाफ पिछले एक-डेढ़ साल से सुरक्षा बलों को लगातार बड़ी सफलताएं मिल रही है, परंतु हालिया सफलता ने आंतरिक सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बने माओवाद के बचे-खुचे अस्तित्व पर सवालिया निशान लगा दिए हैं। माओवाद के संभावित खात्मे के बीच अतीत के पन्ने पलटें तो 1967 के नक्सलबाड़ी आंदोलन के उभार और सरकारों द्वारा 1970 तक उसे नियंत्रित करने के बाद जब भाकपा-माले के संस्थापक चारु मजूमदार की मृत्यु हुई तो पार्टी कई टुकड़ों में बंट गई। आपातकाल में इन सभी पर पाबंदी लगा दी गई। आपातकाल हटने के बाद सशस्त्र विद्रोह पर यकीन करने वाले जो नक्सली नक्सलबाड़ी आंदोलन से प्रेरणा लेते थे, उन्होंने चीन के माओ को अपना प्रेरणास्रोत मान लिया और वे फिर से संगठित होने लगे। उन्होंने मजूमदार द्वारा अपनाई गई पहले शहरों पर आक्रमण वाली नीति त्याग दी, परंतु सशस्त्र संघर्ष के माध्यम से सत्ता हथियाने की नीति जारी रखते हुए दीर्घकालिक युद्ध का रास्ता अपनाया।माओवादियों ने अपनी तथाकथित क्रांति को पिछड़े हुए ऐसे इलाकों से शुरू करने का निर्णय लिया, जहां गुरिल्ला लड़ाई के लिए अनुकूल हालात हों। इसकी शुरूआत आंध्र से की।इसी के साथ अविभाजित मध्य प्रदेश के दंडकारण्य क्षेत्र को सुरक्षित मानकर उसे अपनी आधार भूमि बनाने का लक्ष्य रखा। 1992 में दंडकारण्य को गुरिल्ला जोन घोषित कर गणपति ने कमान अपने हाथ में ले ली। 1995 में इस इलाके में पृथक दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी गठित की गई और बसव राजू को माओवादियों के सेंट्रल मिलिट्री कमीशन का प्रमुख बनाया गया। करीब 2010 तक माओवाद प्रभावित क्षेत्र का विस्तार होता गया।

आज का विचार

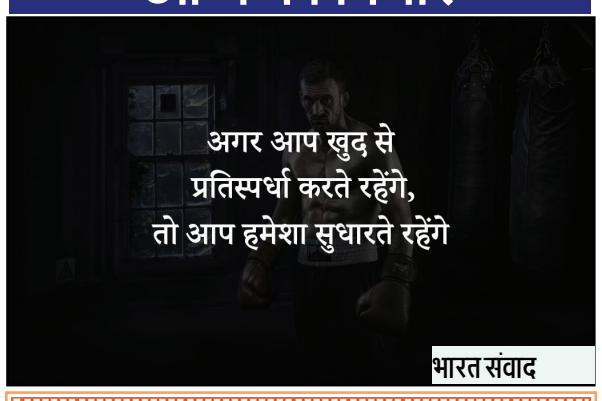

राशिफल

मेष राशि : आपकी सेहत पहले से ज्यादा अच्छी रहेगी. पार्टनर को आपकी मदद से फायदा हो सकता है. प्रेमी से कोई गिफ्ट मिल सकता है. रोमांस रोमांचक होगा इसलिए उससे संपर्क करें जिससे आप प्रेम करते हैं और दिन का भरपूर लुत्फ लें.

वृषभ राशि : आशावादी बनें और अपने उजले पक्ष को देखें. आपका विश्वास और उम्मीद आपकी इच्छाओं व आशाओं के लिए नए दरवाजे खोल सकती हैं. प्राप्त हुआ धन आपकी उम्मीद के मुताबिक खर्च नहीं होगा. बुजुर्ग रिश्तेदार अपनी बेवजह मांगों से आपको परेशान कर सकते हैं.

मिथुन राशि : अपने कॉन्टैक्ट मजबूत करने का समय है. कल शांत रहें. अपने तन और मन पर ध्यान दें. जहां तक हो सके व्यावहारिक रहें. कल आपको मौज-मस्ती के साथ कुछ नया सीखने का भी मौका मिल सकता है.

कर्क राशि: कर्क राशि को घर और संपत्ति से जुडे.कार्यों में संभलकर चलने की सलाह है. आपकी मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. नए काम या जिम्मेदारियां मिलने की संभावनाएं हैं. किसी खास इंसान से आप अपने मन की बातें शेयर करेंगे. कुछ बड़े फैसले भी आप ले सकते हैं.

सिंह राशि : लाभ लेने के लिए बड़ों को अपनी अतिरिक्त ऊर्जा का सकारात्मक उपयोग करना चाहिए. आप अच्छा पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप पारंपरिक तौर पर निवेश करें. ऐसा कोई जिसके साथ आप रहते हैं, कल आपके किसी काम की वजह से बहुत झुंझलाहट महसूस करेगा.

कन्या राशि: किसी नए काम की शुरूआत हो सकती है. ऐसा भी हो सकता है कि पुराने रुके काम फिर से शुरू हो जाए. ऑफिस में आपको एक्स्ट्रा जिम्मेदारी मिल सकती है. एक्स्ट्रा मेहनत से फायदा हो सकता है. दूसरों की मदद करेंगे. उसके लिए आपको कुछ एक्स्ट्रा कोशिश करनी पड़ेतो कर लें.

तुला राशि: आपका दिन सामान्य रहेगा. आपको नये लोगों से थोड़ा संभलकर रहना चाहिए. किसी भी काम में बड़ों की सलाह लेना बेहतर होगा. पढ़ाई के प्रति आपकी एकाग्रता में कुछ कमी आ सकती है.

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वाले माता-पिता की मदद से आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में कामयाब रहेंगे. आप को दूसरों को ठेस पहुंचाने जैसी बातों से दूर रहना चाहिए, अन्यथा रिश्ते में खटास आ सकती हैं. अपने माता-पिता से समर्थन प्राप्त करना आपको कुछ राहत प्रदान कर सकता है.

धनु राशि : आपका व्यक्तित्व कल इत्र की तरह महकेगा और सबको आकर्षित करेगा. भागीदारी वाले व्यवसायों और चालाकी भरी आर्थिक योजनाओं में निवेश न करें. आपको आश्चर्य में डालते हुए आपके बचाव में आपका भाई आगे आएगा.

मकर राशि: कुछ रोचक और नए अवसर कल आपको मिल सकते हैं. आपकी ही राशि में चंद्रमा रहेगा. नई शुरूआत करनी होगी. आत्मविश्वास से काम करें. नकारात्मक विचारों पर ध्यान न दें. ज्यादातर परेशानियां समय के साथ सुलझ सकती है.

कुंभ राशि: आप लोगों को अपनी योजनाओं से सहमत कर लेंगे. आपको सबका पूरा साथ मिलेगा. ऑफिस में सीनियर्स आपके काम को देखकर खुश होंगे. लवमेट के लिए कल का दिन अनुकूल रहेगा. आपको किस्मत का पूरा-पूरा साथ मिलेगा.

मीन राशि : मीन राशि वालों के कारोबार में वृद्धि के योग बन रहे हैं जिससे आपको खूब धन लाभ होगा. रोजगार के नए अवसर मिलेंगे. लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आपको कठिन परिश्रम करना होगा. सहकर्मियों का भी भरपूर सहयोग मिलेगा.

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

याद रहे दल से बड़ा देश का संदेश, अभाव दिखना खटकता है

जेनेवा में मानवाधिकार आयोग में इस्लामी देशों का प्रस्ताव रखे जाने के पहले भारत और पाकिस्तान दोनों लाबिंग कर रहे थे। भारतीय राजनयिक प्रमुख देशों की यात्राएं कर रहे थे। वाजपेयी की पहल पर हिंदुजा बंधुओं को भी सक्रिय किया गया जिनका ईरान में कारोबार था और जो ईरानी नेताओं को अच्छे से जानते थे।

आपरेशन सिंदूर पर हो रही बयानबाजी निराश करने वाली है। अतीत में ऐसे संकट के अवसरों पर जैसी राष्ट्रीय सहमति बनी, उसका अभाव दिखना खटकता है। राजनीतिक असहमति में कटुता और विद्वेष स्पष्ट दिख रहा है। इसके चलते सेना के शौर्य एवं पराक्रम की प्रशंसा के स्वर मद्धम पड़ते दिख रहे हैं। ध्यान रहे कि कोई भी लोकतंत्र तभी और ज्यादा मजबूत बनता है, जब उसमें अलग विचारों के लिए पर्याप्त जगह होती है। पूर्व प्रधानमंत्री नरसिंह राव के उस वक्तव्य को आज याद करना चाहिए कि दल से बड़ा देश और विदेश नीति से बड़ी देश नीति। इसी तरह अटल बिहारी वाजपेयी के इस भाषण का स्मरण किया जाना चाहिए कि सत्ता का खेल तो चलेगा, सरकारें आएंगी-जाएंगी, पार्टियां बनेंगी-बिगड़ेंगी, मगर यह देश रहना चाहिए, देश का लोकतंत्र अमर रहना चाहिए। 1993-1994 में पाकिस्तान ने कश्मीर में मानवाधिकारों के हनन का आरोप लगाकर भारत के खिलाफ दुष्प्रचार अभियान छेड़ दिया था। उसने इस्लामी देशों के संगठन ओआइसी के कई देशों को अपने पक्ष में खड़ा कर लिया था। इसके चलते कश्मीर में मानवाधिकार के कथित हनन का मुद्दा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठने लगा। तब अमेरिका पाकिस्तान का हितैषी था। पाकिस्तान ओआइसी के जरिये इस मामले को जेनेवा स्थित मानवाधिकार आयोग में ले गया। इसने भारत की चिंता बढ़ा दी। यदि मानवाधिकार आयोग में यह प्रस्ताव पारित हो जाता तो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की ओर से भारत पर आर्थिक प्रतिबंध लग जाते। तब पाकिस्तान कश्मीर के बहाने इस्लामी दुनिया में अपनी अहमियत बढ़ाने में जुटा था। कई इस्लामी देशों से भारत के रिश्ते अच्छे तो थे, लेकिन उक्त प्रस्ताव पर उनके और यहां तक कि बांग्लादेश के भी भारत के साथ खड़े होने की गारंटी नहीं थी। तब कश्मीर में सुरक्षा बलों की सक्रियता से आतंकियों के मारे जाने के समाचार आ रहे थे। इसी कारण पाकिस्तान यह दुष्प्रचार कर रहा था कि कश्मीरियों का उत्पीड़न हो रहा है। दिनेश सिंह उस समय विदेश मंत्री थे, लेकिन वह गंभीर रूप से बीमार थे, फिर भी नरसिंह राव ने उन्हें ईरान भेजा, क्योंकि वहां के विदेश मंत्री उनके मित्र थे। तब हमारी राजनीति में आज जैसी संकीर्णता और कटुता नहीं थी। सत्तापक्ष के साथ विपक्ष में भी अनुभवी नेता थे। प्रधानमंत्री राव ने तय किया कि जेनेवा जाने वाले प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व वाजपेयी करेंगे। इस प्रतिनिधिमंडल में विदेश राज्य मंत्री सलमान खुर्शीद, फारूक अब्दुल्ला, मुस्लिम लीग नेता ई. अहमद आदि के साथ हामिद अंसारी भी थे, जो तब राजनयिक थे। भाजपा का रुख यही था कि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाया जाए और फारूक अब्दुल्ला कहा करते थे कि जम्मू-कश्मीर विलय के समय किए गए वादों की अनदेखी हो रही है।जेनेवा में मानवाधिकार आयोग में इस्लामी देशों का प्रस्ताव रखे जाने के पहले भारत और पाकिस्तान दोनों लाबिंग कर रहे थे। भारतीय राजनयिक प्रमुख देशों की यात्राएं कर रहे थे। वाजपेयी की पहल पर हिंदुजा बंधुओं को भी सक्रिय किया गया, जिनका ईरान में कारोबार था और जो ईरानी नेताओं को अच्छे से जानते थे। जेनेवा में जब वाजपेयी जी का सामना पाकिस्तान की प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो से हुआ तो उन्होंने हैरान होकर कहा, आप इस प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा कैसे और जम्मू-कश्मीर पर तो आपका नजरिया शासक दल से अलग है? वाजपेयी जी बोले, भारत की एकता एवं प्रभुसत्ता के प्रश्न पर हम सब एक हैं। आयोग में प्रस्ताव रखे जाने के पहले भारत ने अपनी प्रभावी कूटनीतिक पहल से कई इस्लामी देशों को अपने पक्ष में कर लिया। लीबिया, इंडोनेशिया, सीरिया, ईरान आदि ने पाकिस्तान का साथ छोड़ दिया। नरसिंह राव जी ने अपने कूटनीतिक कौशल से किसी तरह चीन को भी साध लिया था। इससे पाकिस्तान पस्त पड़ गया और अपनी हार देखकर वह प्रस्ताव आगे बढ़ाने का साहस नहीं जुटा पाया। अभी जब मोदी सरकार ने पहलगाम की भयानक आतंकी घटना और फिर साहसिक सैन्य कार्रवाई के बाद विश्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजने का फैसला किया, तो बहुत ही अप्रिय राजनीति शुरू हो गई। कुछ नेताओं के वक्तव्य चौंकाने वाले भी रहे और सर्वदलीय सहमति की भावना के विरुद्ध भी। मौजूदा कूटनीतिक चुनौतियों को देखते हुए देश को एक संयुक्त और सशक्त राजनीतिक दृष्टिकोण की जरूरत है, जो दुनिया को यह बताए कि भारत पाकिस्तान पोषित आतंकवाद और अपनी सुरक्षा के मुद्दे पर एकजुट एवं अडिग है। यह ध्यान रहे कि उस समय प्रतिनिधिमंडल के लिए वाजपेयी जी का नाम प्रधानमंत्री राव द्वारा खुद तय किया गया था, न कि भाजपा द्वारा दिए गए नामों के आधार पर। तब मैं जनता दल में था। उस समय विपक्ष के किसी नेता ने नहीं कहा कि उन्हें इस प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा क्यों नहीं बनाया गया या फिर अमुक को क्यों बनाया गया? यह भी याद रहे कि 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की साहसिक भूमिका की देश ने एक स्वर में प्रशंसा की थी। प्रशंसा करने वालों में प्रमुख थे वाजपेयी जी। सच तो यह है कि अतीत में कई बार राष्ट्रीय हित के विषयों पर राजनीतिक वर्ग ने देश-दुनिया को राजनीतिक एकजुटता का संदेश दिया। आज के नेताओं को पुरानी पीढ़ी के नेताओं से यह सीखना चाहिए कि संकट काल में सच्ची एकजुटता की भावना का प्रदर्शन कैसे किया जाता है।

समाज में बौद्धिक की भूमिका

विजय गर्ग

बौद्धिक एक ऐसा व्यक्ति है जो अपनी बुद्धिमत्ता और विश्लेषणात्मक सोच का उपयोग पेशेवर क्षमता में या व्यक्तिगत कारणों से करता है। इसका मतलब यह भी है कि मन के उपयोग के साथ जुड़ा हुआ है या इसकी आवश्यकता है। कई तरह के बुद्धिजीवी होते हैं, उनमें से कुछ अकादमिक विरोधी होते हैं जबकि कुछ विश्वविद्यालयों का हिस्सा होते हैं. कुछ कला, राजनीति, पत्रकारिता और शिक्षा में शामिल हैं। कुछ विशेष विशेषज्ञ और पेशेवर हैं और कुछ स्वतंत्र हैं। वे विभिन्न प्रकार की भूमिकाएँ प्राप्त करते हैं। उन्नीसवीं शताब्दी के अंत में बुद्धिजीवियों के उद्भव का पता फ्रांस में 'द ड्रीम्स अफेयर' में लगाया जा सकता है। बल्कि, यह अवधि सार्वजनिक जीवन में बौद्धिक के पूर्ण उद्भव के लिए उल्लेखनीय है। विशेष रूप से इस मामले पर सीधे बोलने म की भूमिकाओं के साथ। बौद्धिक शब्द उस समय से बेहतर ज्ञात हो गया। फ्रेंच में संज्ञा के रूप में शब्द के उपयोग को 1898 में जॉर्जेस क्लेमेंसेउ के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है।समाज में बौद्धिक की भूमिका किसी भी समाज में बुद्धिजीवियों की भूमिका वास्तव में इसके विकास के लिए महत्वपूर्ण तत्वों में से एक है। बुद्धिजीवी। इसका अंदाजा ऐतिहासिक नजरिए से लगाया जा सकता है। फ्रांसीसी क्रांति को उन लोगों द्वारा उकसाया गया था जिन्हें हम आज बुद्धिजीवियों, लेनिन के रूप में वगीकृत करेंगे और उनके अधिकांश साथी बुद्धिजीवी थे। बुद्धिजीवियों ने परिवर्तन और शांति के लिए उत्सुक असंतोष, मोहभंग और निराश पीढ़ियों के प्रतीक बनकर मध्य पूर्व में वैचारिक संदेशों के प्रसार में सहायता की। राजनीतिक दलों और पादरियों ने बुद्धिजीवियों को अपनी संगठनात्मक शक्ति और राजनीतिक नियंत्रण बढ़ाने के लिए इस्तेमाल किया। ऐतिहासिक रूप से आकलन करने का तरीका, किसी भी समाज पर बुद्धिजीवियों का प्रभाव उस समाज पर निर्भर करता है जिसमें वे काम कर रहे हैं: जहां नागरिक समाज कमजोर है, जहां गैर-अनुरूपता को देखा जाता है, जहां सहिष्णुता और बहुलता की कमी है, बुद्धिजीवियों को समाज को चलाने में मुश्किल होगी अधिक खुली राजनीतिक और नैतिक जलवायु की ओर। ईरानी समाज जहां इस्लाम राष्ट्रीय पहचान के निर्माण ब्लॉकों में से केवल एक है, महत्वपूर्ण बुद्धिजीवियों के लिए परिवर्तन और परिवर्तन के लिए तत्वों को वैध बनाने के लिए कई और विकल्प पेश करता है। जबकि यह कई अरब समाजों में एक ही मामला नहीं है, जहां इस्लाम है, एक तरह से या किसी अन्य अरब की विरासत से जुड़ा हुआ है और सच्ची महत्वपूर्ण सोच को रोक दिया गया है।बौद्धिक खुद को समाज के भीतर एक विशेष गतिविधि करने के लिए समर्पित करता है जिसका अंत संस्कृति के अग्रिम के माध्यम से मानव जाति के नामांकन के बारे में लाना है। यह एक विद्वान का कर्तव्य है कि वह सत्य की खोज करने के लिए एक घृणित, वस्तुनिष्ठ दृष्टिकोण अपनाए, ज्ञान जो विशुद्ध रूप से तर्कसंगत सिद्धांतों से प्राप्त होता है, शांति और सुरक्षित भविष्य के लिए सार्वजनिक बहस में अपनी आवाज जोड़ें। नागरिक समाज के गठन और विकास में बुद्धिजीवी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बुद्धिजीवी लोकतंत्रीकरण, अधिनायकवादी शासन, तानाशाही, पश्चिमी उदारवाद, संवैधानिकता, राष्ट्रवाद, फासीवाद जैसी विचारधाराओं का भी यही आधार रहे हैं. बुद्धिजीवी आधुनिकता के सबसे महत्वपूर्ण समाजशास्त्रीय अभिनेता हैं। महत्वपूर्ण तर्कसंगतता और नागरिक स्वतंत्रता के लिए उनका संघर्ष उनकी आलोचना और वाद्य तर्कसंगतता और वर्चस्व की भावना से इनकार के साथ हाथ में जाता है। उनकी बेहतर बौद्धिक प्रतिभा और सकारात्मक जांच की तकनीकों में प्रशिक्षण ने उन्हें स्थानीय दृष्टिकोणों की संकीर्ण अवधारणाओं को पार करने और नीति निर्माण की प्रक्रिया को तर्कसंगत बनाने में सक्षम बनाया। नेतृत्व की स्थिति में, वे दोषरहित निष्कर्षों के आधार पर, पिछली पीढ़ियों की समस्याओं को हल करने और सामाजिक संगठन के बेहतर रूपों की स्थापना करते हैं। उन्होंने यह भी देखा कि जबकि आधुनिक समाज का पाठ्यक्रम वास्तव में अपने संगठन में अधिक तर्कसंगत बनने के लिए विकसित हुआ था, इस परिवर्तन ने व्यक्ति की अधिक स्वतंत्रता का पोषण नहीं किया, बल्कि नौकरशाही नियंत्रण के बढ़ते स्तर में योगदान दिया। इस प्रवृत्ति का एक परिणाम सामाजिक दुनिया में बढ़ती तर्कसंगतता थी, जहां मानवीय भावनाएं और विचार की पूर्व-आधुनिक आदतें प्रचलित थीं। सामंती युग की कई मान्यताएं और अंधविश्वास औद्योगिक समाज में लगातार पनपते रहे और इनमें राजनीतिक और आर्थिक विकास के पाठ्यक्रम को आकार दियाएक शोधकर्ता के रूप में बौद्धिक की भूमिका शोधकर्ता एक वस्तुनिष्ठ विश्लेषण का पीछा करते हैं और अपने विषय की जांच करते हैं। बुद्धिजीवी एक धारणा के बारे में जागरूकता विकसित करना चाहते हैं और ऐसा करते हुए वे शोधकर्ता की भूमिका प्राप्त करते हैं। वे सामाजिक वैज्ञानिक अनुसंधान में लिप्त हैं। वे अपने स्वयं के सूचित दृष्टिकोण विकसित करने में विज्ञान और पिछली परंपराओं के सिद्धांतों को लागू करते हैं। उन्होंने यह भी पाया कि सामाजिक वैज्ञानिक कार्य सामाजिक दुनिया के नवीन विश्लेषणों को बढ़ावा दे सकता है। इन शोधकताओं ने अपनी जिज्ञासाओं और विद्वानों के हितों के आधार पर अपनी जांच का आयोजन किया, ऐसा करते हुए उन्होंने कुछ तथ्यों का खुलासा किया है जो शोध नहीं होने पर चूक गए होंगे। सामाजिक दुनिया में उनकी व्यक्तिगत अंतर्दृष्टि ने बड़े पैमाने पर अनुसंधान में सहायता की है। आधुनिक क्रम के तेजी से परिवर्तन के लिए चल रहे गुणात्मक रूप से अद्वितीय आकलन की आवश्यकता होती है। पुराने सूत्र स्थिर हो सकते हैं और नए विकास को समझाने की अपनी क्षमता खो सकते हैं। इस संदर्भ में बौद्धिक की भूमिका वर्तमान तक आने वाले रुझानों के संबंध में दुनिया की रचनात्मक व्याख्याओं को तैयार करना है। विचार जो सामाजिक विचार की मुख्यधारा के अनुरूप नहीं हैं, वे वैकल्पिक दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने में रुचि रखने वाले दूसरों की सोच में योगदान कर सकते हैं।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत विश्व के शक्तिशाली देश में शुमार

संजीव ठाकुर

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत के जवाबी हमले से पाकिस्तान के 9 एयरबेस की तबाही और लगभग 100 दुर्दांत आतंकवादी मारे जाने के बाद भारत की छवि विश्व में एक दमदार शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में उभरी है। अब भारत से कई देश से अस्त्र-शस्त्र की खरीदी के लिए कतार में खड़े होते दिखाई दिए हैं । भारत ने जिस तरह ब्रह्मोस मिसाइल और २400 से चीनी तथा टर्किए के 500 से ज्यादा ड्रोन तथा मिसाइल को हवा में ही ध्वस्त किया है वह अपने आप में एक वैश्विक मिसाल है। इसमें अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मध्यस्तता का श्रेय लेने की कोशिश में लगे हुए थे किंतु भारत के कठोर रुख के कारण अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अपना बयान बदलकर यू टर्न लेना पड़ा जिससे भारत की छवि और बेहतर हो गई है। भारत ने कूटनीतिक पहलकर पाकिस्तान की आतंकवादी छवि को स्पष्ट करने के लिए लगभग 60 सांसदों को विभिन्न देशों में भेज कर पारदर्शिता का एक अनोखा उदाहरण प्रस्तुत किया है भारत विश्व में अब एक बड़ी राजनीतिक, आर्थिक तथा सामरिक शक्ति बन कर उभरा है भारत में वर्तमान में अपनी वैश्विक छवि को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दुगुना किया है विदेशों में भारत की स्थिति में निरंतर सुधार हुआ है। भारत की छवि को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर बनाने के लिए कूटनीति आर्थिक व्यापारिक समझौते तथा पाकिस्तान को युद्ध में बुरी तरह परास्त करने के बाद एक बड़ी सामरिक शक्ति बनकर उभरने के अलावा इस समय बहुत बड़ा योगदान भारत के हर क्षेत्र के डिजिटलाइजेशन का भी ज्यादा रहा है भारत में डिजिटलाइजेशन के नए आयामों को छुआ है और विश्व में इस क्षेत्र में अग्रणी भूमिका भी निभा रहा है इसमें दो मत नही कि वर्तमान के प्रधानमंत्री का बड़ा योगदान और ऊजावान, दमदार वैश्विक नेता के रूप में भूमिका रही है । पिछले 11 वर्षों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विदेश नीति में खुलापन तथा विदेशी निवेशकों को भारत में आमंत्रित किया है उससे इसमें बड़े परिवर्तन की संभावनाओं इजाफा किया है भारत विश्व का एकमात्र सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है कई वर्षों से ब्रिटिश उपनिवेश में रहने और स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात गरीबी, भुखमरी , बेरोजगारी जैसे बड़े रुकावटी कारकों का से जिस तरह डटकर मुकाबला कर उस से निजात पाने का प्रयास किया है वह अत्यंत उल्लेखनीय है। कोरोना कल में भारत ने अभूतपूर्व तरीके से स्वदेशी दवाइयां का एवं अन्य उपकरणों का निर्माण कर करके एक रिकॉर्ड भी बनाया है और इस पहल के परिणाम स्वरूप भारत में करोन पर प्रभावी नियंत्रण पानी में सफलता पाई थी। इसके अलावा भारत में ऐसे संक्रमण काल में स्वदेशी निर्मित मेडिकल इंजेक्शन दवाईयां तथा उपकरणों को भी विदेशी देशों को मदद पहुंचाई थी। स्वतंत्रता मिलने के पश्चात भारत में नियोजन की नीति अपनाई तथा वर्ष 1951 में प्रारंभ पंचवर्षीय योजनाओं के अंतर्गत सभी चुनौतियों का सामना करते हुए सराहनीय प्रगति की है वर्ष 1951 से लेकर अब तक 12 पंचवर्षीय योजनाएं क्रियान्वित की जा चुकी है वर्ष 2015 में राष्ट्रीय भारत परिवर्तन संस्थान की स्थापना की गई जो भारत को वैश्विक स्तर पर महाशक्ति बनाने की दिशा में सहयोग कर रहा है वैश्विक स्तर पर भारत की खेती 1990 के पश्चात निरंतर बढ़ रही है इस दिशा में 1990 के दशक में भारत सरकार द्वारा अपनाई जाने वाली उदारीकरण निजीकरण तथा वैश्वीकरण की नीति का महत्वपूर्ण योगदान भी माना जा रहा है उक्त समय में भारत की दशा अत्यंत दयनीय थी इसके अतिरिक्त मुद्रास्फीति बेरोजगारी जैसी स्थित ने विकराल रूप धारण कर लिया था, किंतु विकास की नीति को अपनाने के पश्चात से भारत ने इन परिस्थितियों से निपटने के साथ ही आर्थिक विकास का मार्ग प्रशस्त किया भारत ने अपने प्राकृतिक संसाधनों एवं विशाल जनसंख्या के उपयोग कर विश्व पटल में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है भारत की विशाल जनसंख्या को आर्थिक सफलता के मजबूत स्तंभ कहा जा सकता है।

'धनंजय मुंडे को क्लीनचिट मिली, तो दूंगा इस्तीफा'; फडणवीस के मंत्री छगन भुजबल का बड़ा बयान

मुंडे के त्यागपत्र से खाली हुई सीट पर बने हैं मंत्री

महाराष्ट्र कैबिनेट में हाल के दिनों में शामिल हुए भुजबल।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई। दो दिन पहले ही फडणवीस मंत्रिमंडल में नए मंत्री के रूप में शपथ लेने वाले राकांपा के वरिष्ठ नेता छगन भुजबल ने कहा है कि अगर उनकी पार्टी से मंत्री रहे धनंजय मुंडे को क्लीनचिट मिल जाती है, तो वह त्यागपत्र दे देंगे ।भुजबल को धनंजय मुंडे के त्यागपत्र से खाली हुई सीट पर ही मंत्री बनाया गया है। छगन भुजबल महाराष्ट्र में ओबीसी समाज के बड़े नेता हैं। 1999 से जब-जब उनकी पार्टी राकांपा सत्ता में रही, वह तब-तब मंत्री रहे हैं। दो बार उपमुख्यमंत्री भी रह चुके हैं ।फिर मैं दे दूंगा इस्तीफाः भुजबलउन्होंने कहा कि अगर धनंजय मुंडे को मंत्रिमंडल में शामिल करने का निर्णय लिया जाता है, तो मुझे कोई आपत्ति नहीं होगी। मुझे मंत्रिमंडल में सम्मान के साथ पुनः शामिल किया गया है, मैं इससे संतुष्ट हूं। अगर मुंडे सारे विवादों से मुक्त हो जाते हैं, तो मैं अपने पद से त्यागपत्र दे दूंगा ।मंत्री बनाए जाने से पहले रखी गई थी ये शर्तवहीं, यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें मंत्री बनाए जाने से पहले यह शर्त रखी गई है, भुजबल ने कहा कि ऐसी कोई चर्चा हो या न हो, त्यागपत्र का निर्णय तो मुझे लेना है। बता दें कि बीड में हुई सरपंच संतोष देशमुख की हत्या मामले में धनंजय मुंडे के कुछ करीबी लोगों पर आरोपपत्र पेश होने के बाद राजनीतिक दबाव के कारण धनंजय मुंडे को पद से त्यागपत्र देना पड़ा था।

आदिवासियों के हक के 336 करोड़ महाराष्ट्र में लाडली बहन योजना में ट्रांसफर, मई की किस्त भेजने की तैयारी

महाराष्ट्र सरकार अपनी 'लाडली बहन योजना' को जारी रखने के लिए लगातार दूसरे विभागों से धन ले रही है। सरकार ने आदिवासी विभाग से 335 करोड़ रुपये इस योजना के लिए लिए हैं। इससे पहले, अप्रैल की किश्त के लिए भी अनुसूचित जाति और जनजाति विभाग से 410 करोड़ रुपये लिए गए थे।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई : महाराष्ट्र सरकार की महत्वाकांक्षी 'लाडली बहन योजना' को चलाए रखने के लिए सरकार को लगातार दूसरे विभागों से कैश लिक्विडिटी मैनेजमेंट करना पड़ रहा है। लाभार्थी महिलाओं को अगली किश्त देने के लिए सरकार ने इस बार आदिवासी विभाग से 335 करोड़, 70 लाख रुपये का फंड ट्रांसफर किया है। अप्रैल की किश्त देने के लिए भी सरकार के वित्त विभाग ने पिछले महीने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति विभाग के 410 करोड़ रुपये महिला और बाल विकास विभाग को ट्रांसफर किए थे। पिछले विधानसभा चुनाव से ऐन पहले महायुति सरकार के तत्कालीन मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने 'मेरी लाडली बहन योजना' शुरू की थी। योजना के तहत पात्र महिलाओं को 1500 रुपये हर माह दिए गए।

2100 देने का ऐलान बना गले की हड्डी

विधानसभा चुनाव से पहले सरकार ने पांच महीने की किस्तों का भुगतान पात्र लाभार्थियों को किया। चुनाव प्रचार के दौरान महायुति के नेता जोर-शोर से प्रचार कर रहे थे कि अगर राज्य में फिर से महायुति की सरकार बनी तो ने 1500 की रकम को बढ़ाकर 2100 कर दिया जाएगा। अब यह योजना सरकार के गले की हड्डी बन गई है। लाडली बहनों को हर माह पैसा देने के लिए सरकार को कई तरह के जोड़-तोड़ करने पड़ रहे हैं। दूसरे विभाग से पैसे ट्रांसफर करने पड़ रहे हैं।

मंत्री ने किया था विरोध

राज्य सरकार ने चालू वर्ष 2025-26 के बजट में अनुसूचित जनजाति योजना के लिए 21,495 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। इनमें से आदिवासी विकास विभाग को दिए गए 3,420 करोड़ रुपये के सहायक अनुदान में मई के लिए 335 करोड़, 70 लाख रुपये की निधि लाडली बहन योजना के लिए हस्तांतरित की गई है ।सामाजिक न्याय विभाग के 410 करोड़ 30 रुपये महिला व बाल विकास विभाग को डायवर्ट किए थे। इस पर सामाजिक न्याय मंत्री संजय शिरसाट बहुत नाराज हुए थे। उन्होंने यहां तक कह दिया कि अगर सरकार को सामाजिक न्याय विभाग की जरूरत ही नहीं, तो वह विभाग बंद क्यों नहीं कर देती। उन्होंने विभाग पर सरकार की अनदेखी का भी आरोप लगाया था।

फास्ट ट्रैक

महाराष्ट्र में इलेक्ट्रिक वाहनों को टोल में 100% छूट, मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे

महाराष्ट्र ने इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए नई नीति पेश की है। मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे और अन्य प्रमुख मार्गों पर इलेक्ट्रिक कारों और बसों को टोल में 100% छूट मिलेगी। राज्य सरकार राजमार्गों पर हर 25 किमी पर चार्जिंग स्टेशन बनाएगी। भारी डीजल वाहनों को इलेक्ट्रिक वाहनों से बदलने के लिए सब्सिडी देगी।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई : महाराष्ट्र सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति-2025 की घोषणा की है। इसके तहत मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे, समृद्धि महामार्ग और अटल सेतु पर इलेक्ट्रिक कारों व ई-बसेस को आगामी 5 वर्षों के लिए 100% टोल माफी दी जाएगी। जल्द ही राज्य के सभी सार्वजनिक निर्माण विभाग अंतर्गत हाइवे पर भी टोल माफी लागू की जाएगी।महाराष्ट्र सरकार द्वारा शुक्रवार को जारी जीआर में कहा गया है कि टोल माफी की राशि को परिवहन विभाग पूरक प्रावधानों के माध्यम से करेगा। यह निर्णय मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित संचालन समिति द्वारा लिया जाएगा।मुंबई-पुणे और मुंबई-नागपुर रूट पर लागूसरकार की योजना के तहत राज्य और राष्ट्रीय राजमार्गों पर हर 25 किमी पर एक ईवी चार्जिंग स्टेशन बनाना अनिवार्य किया जाएगा। सभी मौजूदा और नए पेट्रोल पंपों पर कम से कम एक एव चार्जिंग सुविधा होगी। इसके लिए तेल विपणन कंपनियों और परिवहन विभाग के बीच समझौता ज्ञापन किया जाएगा। एसटी के प्रत्येक बस डिपो और स्टेशन पर भी फास्ट चार्जिंग सुविधा अनिवार्य की जाएगी। यह नीति मुंबई-पुणे और मुंबई-नागपुर मार्गों के बीच सतत परिवहन मॉडल को भी प्रोत्साहित करेगी। भारी डीजल वाहनों की जगह एव को मिलेगी सब्सिडीनई नीति में ट्रक, ट्रैक्टर, हार्वेस्टर, निर्माण कार्य में उपयोग होने वाले वाहन, एंबुलेंस और कचरा परिवहन वाहनों को भी शामिल किया गया है। इन वाहनों को इलेक्ट्रिक में बदलने के लिए राज्य सरकार विशेष सब्सिडी प्रदान करेगी, क्योंकि ये वाहन सामान्य कारों की तुलना में 67 गुना अधिक प्रदूषण करते हैं।

चश्मा न लगाना मुंबई के युवक को पड़ा मंहगा, 500 की जगह गंवाने पड़े 90,000 रुपये

बांद्रा में अमूल्य शर्मा नामक एक युवक को चश्मा न पहनने के कारण भारी नुकसान हुआ। रिक्शा चालक फुरकान शेख ने ऑनलाइन पेमेंट के दौरान उनकी कमजोरी का फायदा उठाकर खाते से 90 हजार रुपये उड़ा दिए। पुलिस ने मामला दर्ज कर फुरकान की तलाश शुरू कर दी है, क्योंकि उसने भरोसे का गलत फायदा उठाया।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई : एक युवक को चश्मा न पहनना भारी पड़ गया। बांद्रा में रहने वाले अमूल्य शर्मा को रिक्शा का किराया चुकाने के लिए जब मोबाइल से पेमेंट करना पड़ा, तो उसकी आंखों की कमजोरी और भरोसे का फायदा उठाकर रिक्शा चालक ने उसके खाते से 90 हजार रुपये उड़ा दिए। इस ठगी के मामले में बांद्रा पुलिस ने रिक्शा चालक फुरकान शेख के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है ।एफआईआर के अनुसार, हरियाणा के रहने वाले अमूल्य शर्मा एक लॉ फर्म में काम करते हैं और उन्हें बिना चश्मे के पढ़ने या मोबाइल इस्तेमाल करने में कठिनाई होती है। हाल ही में उनके दोस्तों ने अंधेरी में एक पार्टी रखी थी, जहां वे बिना चश्मा लगाए चले गए थे।

पार्टी में चश्मा नहीं लगाकर गए

पार्टी खत्म होने के बाद अमूल्य तड़के रिक्शा लेकर अपने घर बांद्रा के लिए रवाना हुए। मुंबई में नया होने के कारण अमूल्य को रास्तों की जानकारी नहीं थी, जिसका फायदा उठाते हुए रिक्शा चालक उन्हें दूसरे रास्ते से बांद्रा ले गया। घर पहुंचने पर चालक ने डेढ़ हजार रुपये किराया मांगा। अमूल्य ने उसे केवल 500 रुपये देने की पेशकश की।

रिक्शे वाले को दिया मोबाइल

चश्मा भूल जाने के कारण अमूल्य न तो रकम देख पा रहे थे और न ही रिक्शा चालक का मोबाइल नंबर टाइप कर पा रहे थे। ऐसे में उन्होंने भरोसे के चलते अपना मोबाइल रिक्शा चालक को सौंप दिया, जिससे वह खुद ऑनलाइन ट्रांजेक्शन कर सके। इसी दौरान चालक ने डेढ़ हजार की बजाय 90 हजार की राशि मोबाइल में डाल दी और अमूल्य से ओटीपी (वन टाइम पासवर्ड) पूछ लिया।

बैंक स्टेटमेंट चेक करने पर सामने आया मामला

अमूल्य को बिना रकम देखे अंदाजा था कि वही ओटीपी किराए के भुगतान के लिए मांगा गया है। जैसे ही उन्होंने ओटीपी बताया, रकम फुरकान शेख नामक व्यक्ति के खाते में ट्रांसफर हो गई। कुछ देर बाद अमूल्य को शक हुआ और जब उन्होंने बैंक स्टेटमेंट चेक किया, तो उनके होश उड़ गए। उन्हें पता चला

बीएमसी चुनाव में मुंबई की 100 सीटों पर लड़ेगी एकनाथ शिंदे की शिवसेना

शिवसेना (शिंदे गुट) ने मुंबई महानगरपालिका चुनाव के लिए कमर कस ली है। पार्टी 227 में से 100 सीटों पर पूरी ताकत से चुनाव लड़ेगी। पूर्व नगरसेवकों और इच्छुक कार्यकर्ताओं के साथ हुई बैठक में जीत के लिए रणनीति पर विचार किया गया। शिंदे गुट उपमहापौर पद के लिए दावा कर सकता है।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई : शिवसेना (शिंदे गुट) ने बीएमसी चुनाव के लिए अपनी रणनीतिक तैयारी शुरू कर दी है। उसने बीएमसी की 227 सीटों में से 100 सीटों पर पूरी ताकत से चुनाव लड़ने की बात की है। पिछले दिनों पार्टी ने मुंबई में पूर्व नगरसेवकों और चुनाव लड़ने के इच्छुक कार्यकताओं के साथ बैठक की, जिसमें कैबिनेट मंत्री दादाजी भूसे, पूर्व सांसद राहुल शेवाले और पार्टी सचिव संजय मोरे जैसे वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया। माना जा रहा है कि शिंदे सेना उप महापौर पद के लिए दावा कर सकती है ।ठाणे में भले ही डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे की पकड़ मजबूत हो, लेकिन शिंदे गुट को बीएमसी चुनाव में संघर्ष करना पड़ सकता है। भले ही बीजेपी को महापौर पद मिले, लेकिन शिंदे गुट उपमहापौर और महत्वपूर्ण समितियों की कमान अपने हाथों में चाहता है। नेताओं ने साफ किया कि पार्टी जिन 100 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, वहां जीत के लिए सभी स्तरों पर योजना बनाई जाएगी ।अलग-अलग राजनीतिक दलों से पार्टी में शामिल हुए पूर्व नगरसेवकों के साथ हमने वातालर्प किया है। आगामी महानगरपालिका चुनाव के मद्देनजर हमने सभी को तैयारी में जुट जाने को कहा है ।बैठक में कई बार बीएमसी का चुनाव जीतने वाले पूर्व नगरसेवकों ने मार्गदर्शन देते हुए कहा कि प्रत्येक उम्मीदवार को अपने वार्ड में परिसीमन को गंभीरता से समझना होगा और अभी से जनता के बीच सक्रिय होना होगा। लोगों से संवाद बढ़ाने और जनसंपर्क मजबूत करने पर ध्यान देना चाहिए। मतदान के समय यही सब काम आएगा।

राज ठाकरे को उद्धव के प्रस्ताव का इंतजार

उधर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के नेता संदीप देशपांडे ने कहा है कि अगर उद्धव सेना को लगता है कि मनसे के साथ गठबंधन संभव है, तो उन्हें एक ठोस प्रस्ताव के साथ सामने आना चाहिए, जिस पर हमारी पार्टी प्रमुख राज ठाकरे निर्णय लेंगे। देशपांडे ने आगे कहा कि हमने पहले भी प्रस्ताव भेजे थे, लेकिन हमें विश्वासघात का सामना करना पड़ा। अगर अब वे हमें साथ चाहते हैं, तो उन्हें राज ठाकरे को उचित प्रस्ताव भेजना चाहिए ।पत्रकारों से बात करते हुए देशपांडे ने स्पष्ट किया कि राज ठाकरे ने अपने साक्षात्कार में कहीं भी उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी के साथ सीधे गठबंधन की बात नहीं कही थी

केरल पहुंचा मानसून, महाराष्ट्र में कब करेगा प्रवेश? मौसम विभाग ने तारीख बता जारी किया अलर्ट

मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम मानसून जल्द ही महाराष्ट्र में दस्तक देगा। अगले दो-तीन दिनों में मानसून के आगे बढ़ने के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनी हुई हैं। इस साल मानसून केरल में सामान्य तिथि से पहले ही पहुंच गया है। रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग जिलों के लिए भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया है।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः भारत मौसम विज्ञान विभाग ने अच्छी खबर दी है। मानसून इस बार एक सप्ताह जल्दी केरल पहुंच गया है। कटऊ का कहना है कि दक्षिण-पश्चिम मानसून जल्द ही महाराष्ट्र पहुंचने वाला है। अगले दो-तीन दिनों में मानसून के आगे बढ़ने के लिए मौसम अनुकूल है। मानसून इस बार जल्दी आ रहा है। यह 2009 के बाद सबसे जल्दी है। 2009 में मानसून 23 मई को केरल पहुंचा था। वहीं पिछले साल मानसून जून के दूसरे सप्ताह में महाराष्ट्र पहुंचा था। मानसून के जल्द आगमन की खबर से किसानों के चेहरे खिल गए हैं ।रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग जिले में बारिश का 'रेड अलर्ट'मुंबई स्थित क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र की प्रमुख डॉ शुभांगी भूटे ने बताया कि मानसून केरल में सामान्य तारीख से लगभग एक हफ्ता पहले ही पहुंच गया है। मौसम की परिस्थितियां मानसून के आगे बढ़ने के लिए अच्छी बनी हुई हैं। डॉ भूटे ने कहा कि मानसून का जल्दी आना मौसम की अनुकूल परिस्थितियों के कारण है। मानसून धीरे-धीरे महाराष्ट्र की ओर बढ़ रहा है। मौसम विभाग ने रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग जिलों के लिए 'रेड अलर्ट' जारी किया है। इसका मतलब है कि वहां भारी बारिश होने की संभावना है।

साबरमती-वेरावल वंदे भारत एक्सप्रेस 27 मई, 2025 से चलेगी

ट्रेन संख्या 19011/19012 वलसाड दाहोद (प्रतिदिन) एक्सप्रेस 27 मई, 2025 से चलेगी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 26 मई, 2025 को गुजरात के दाहोद से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नई वंदे भारत एक्सप्रेस के साथ-साथ वलसाड-दाहोद एक्सप्रेस ट्रेन की उद्घाटन ट्रेन सेवाओं को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ करेंगे ।पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ट्रेन संख्या 26901 साबरमती-वेरावल वंदे भारत एक्सप्रेस 27 मई, 2025 से शुरू होगी। यह ट्रेन साबरमती से 05:25 बजे रवाना होगी और उसी दिन 12:25 बजे वेरावल पहुंचेगी तथा गुरुवार को छोड़कर प्रत्येक दिन चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 26902 वेरावल-साबरमती वंदे भारत एक्सप्रेस 27 मई, 2025 से शुरू होगी। यह ट्रेन वेरावल से 14:40 बजे रवाना होगी और उसी दिन 21:35 बजे साबरमती पहुंचेगी तथा गुरुवार को छोड़कर प्रत्येक दिन चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में विरमगाम, सुरेन्द्रनगर, वांकानेर, राजकोट और जूनागढ़ स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी चेयर कार और एग्जीक्यूटिव चेयर कार हैं।

पश्चिम रेलवे द्वारा वलसाड और दाहोद के बीच प्रतिदिन चलने वाली एक नई एक्सप्रेस ट्रेन भी शुरू की जाएगी, ताकि इन दोनों क्षेत्रों के लोगों की मांग को पूरा किया जा सके।

ट्रेन संख्या 09011 वलसाड-दाहोद सुपरफास्ट स्पेशल (उद्घाटन सेवा)

ट्रेन संख्या 09011 वलसाड-दाहोद सुपरफास्ट स्पेशल 26 मई, 2025 को वलसाड से 11:30 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 17:25 बजे दाहोद पहुँचेगी। यह ट्रेन यात्रा के दौरान बिलिमोरा, नवसारी, सूरत, अंकलेश्वर, भरूच, मियागाम कर्जन, वडोदरा, समलाया, डेरोल, गोधरा, पिपलोद और लिमखेड़ा स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी चेयर कार, सेकेंड क्लास सिटिंग और जनरल सेकेंड क्लास कोच हैं।

ट्रेन संख्या 19011/19012 वलसाड-दाहोद एक्सप्रेस (नियमित सेवा)

ट्रेन संख्या 19011/19012 वलसाड-दाहोद एक्सप्रेस की नियमित सेवा 27 मई, 2025 से शुरू होगी। यह ट्रेन वलसाड से 05:15 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 11:05 बजे दाहोद पहुँचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 19012 दाहोद-वलसाड एक्सप्रेस की नियमित सेवा 27 मई, 2025 से शुरू होगी। यह ट्रेन दाहोद से 11:55 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 20:05 बजे वलसाड पहुँचेगी।

उपरोक्त ट्रेनें दोनों दिशाओं में बिलिमोरा, नवसारी, सूरत, अंकलेश्वर, भरूच, मियागाम कर्जन, वडोदरा, समलाया, डेरोल, गोधरा, पिपलोद और लिमखेड़ा स्टेशनों पर रुकेंगी।

ट्रेन में एसी चेयर कार, सेकेंड क्लास सिटिंग और जनरल सेकेंड क्लास कोच हैं।

ट्रेन संख्या 26901/26902 की बुकिंग 25 मई, 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09011 के उद्घाटन सेवा की बुकिंग के साथ-साथ ट्रेन संख्या 19011/19012 के नियमित सेवा की बुकिंग 25 मई, 2025 से पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर खुलेगी।

ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

नोएडा में किसान पर हमला

लोहे की रॉड से हमले में घायल किसान का पैर काटना पड़ा, दूसरा आरोपी गिरफ्तार

जेवर, ग्रेटर नोएडा के दनकौर क्षेत्र में रामपुर खादर गांव के एक किसान पर हुए हमले के मामले में पुलिस ने दूसरे आरोपी को गिरफ्तार किया है। घटना 7 अप्रैल को हुई थी, जब पीड़ित अनिल अपने खेत से ट्रैक्टर लेकर घर जा रहे थे। पड़ोसी नकुल और अजय ने अपने परिवार के 2 अन्य सदस्यों के साथ मिलकर लोहे की रॉड से हमला कर दिया। हमले में अनिल गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें दिल्ली एम्स में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान डॉक्टरों को उनका एक पैर काटना पड़ा। पीड़ित का कहना है कि आरोपी उनसे रंजिश रखते हैं। इसी कारण उन्होंने हमला किया। पुलिस ने एक महीने पहले मुख्य आरोपी नकुल को गिरफ्तार किया था।

ठाकरे-पवार ब्रांड कभी खत्म नहीं हो सकते', उद्धव गुट के साथ आने के कयासों के बीच राज ठाकरे का बड़ा बयान

उद्धव के साथ आना चाहते हैं राज ठाकरे

पहले भी बयानों से दिए थे संकेत

अपने पिता और बाबा को किया याद

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे ने कहा है कि महाराष्ट्र की राजनीति में ठाकरे-पवार ब्रांड खत्म नहीं हो सकते। उन्होंने यह बात एक मराठी न्यूज पोर्टल के कार्यक्रम में वातालर्प के दौरान कही ।कुछ समय से राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे के एक साथ आने की चर्चा चल रही है। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने भी कहा है कि महाराष्ट्र के हित के लिए दोनों भाई साथ आ सकते हैं। इसी संदर्भ में पूछे गए एक प्रश्न पर राज ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र की राजनीति से पवार और ठाकरे ब्रांड को खत्म करने की कोशिशें की जा रही हैं। लेकिन इन्हें खत्म नहीं किया जा सकता ।बालासाहेब ठाकरे को किया याद राज ठाकरे ने आगे कहा कि जहां तक ठाकरे ब्रांड का सवाल है, इसकी पहली कड़ी मेरे बाबा प्रबोधनकार ठाकरे का महाराष्ट्र पर गहरा प्रभाव था। उनके बालासाहेब ठाकरे और मेरे पिता श्रीकांत ठाकरे का प्रभाव रहा। अब उद्धव और मेरा अपना-अपना प्रभाव है ।इसे खत्म नहीं किया जा सकता। बता दें कि महाराष्ट्र की राजनीति में ठाकरे और पवार ब्रांड के अस्तित्व पर सवाल इसलिए उठने लगे हैं, क्योंकि पिछले विधानसभा चुनाव में उद्धव ठाकरे की पार्टी शिवसेना (यूबीटी) सिर्फ 20 सीटें ही जीत सकी, शरद पवार की पार्टी राकांपा (शरदचंद्र पवार) सिर्फ 10 सीटें जीती, और राज ठाकरे की पार्टी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना का तो खाता भी नहीं खुल सका। यहां तक कि राज ठाकरे तो अपने पुत्र अमित ठाकरे को भी चुनाव नहीं जितवा पाए। वह चुनाव शरद पवार और उद्धव ठाकरे कांग्रेस के साथ गठबंधन करके लड़े थे, जबकि राज ठाकरे की पार्टी अकेले ही मैदान में उतरी थी ।उद्धव के साथ आने की जताई थी इच्छविधानसभा चुनाव में मिली बुरी हार के बाद से ही राज ठाकरे का भाजपा और शिवसेना (शिंदे) से मोह भंग हो चुका है। जबकि लोकसभा चुनाव में उन्होंने एनडीए को बिनाशर्त समर्थन दिया था। कुछ सप्ताह पहले उन्होंने ही अपनी ओर से संकेत दिया था कि उनका उद्धव ठाकरे के साथ कोई झगड़ा नहीं है। महाराष्ट्र के हित के लिए वह पुनः साथ आ सकते हैं ।उसके अगले दिन ही उद्धव ठाकरे ने भी यह कहते हुए सकारात्मक प्रतिक्रिया दी थी, कि यदि वह गद्दारों (उनका संकेत एकनाथ शिंदे की ओर था) के साथ उठना-बैठना छोड़ दें तो साथ आया जा सकता है। कुछ माह बाद ही महाराष्ट्र में स्थानीय निकायों के चुनाव होने जा रहे हैं। यदि उससे पहले राज और उद्धव साथ आने का निर्णय करते हैं, तो महाराष्ट्र की राजनीति में कुछ नए समीकरण बन सकते हैं।

पश्चिम रेलवे

सिगनलिंग कार्य

डि.सीएसटीई/वर्क्स (एस एवं टी) , 2री मंजिल, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, मुंबई सेंट्रल, मुंबई - 400008 द्वारा **निविदा क्रमांक : एसजी_217_2_305_डब्ल्यूए_आर, दिनांक : 20.05.2025** आमंत्रित की जाती है. **कार्य और स्थान** : पश्चिम रेलवे मुंबई मंडल के चर्नी रोड स्टेशन पर एमएसडीएसी एवं अन्य इनडोर और आउटडोर सिगनलिंग कार्य के साथ इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम की डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना, प्रोग्रामिंग, परीक्षण एवं कमीशनिंग. **कार्य की अनुमानित लागत** : रु. 3,84,68,616.27. **ईएमडी** : रु. 3,42,400/-. **निविदा बंद करने की तिथि एवं समय** : 19.06.2025 को 15:00 बजे. अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट **www. ireps.gov.in** का अवलोकन करें. 0187

Like us on : facebook.com/WesternRly

पूर्वोत्तर रेलवे

भारत के राष्ट्रपति की ओर से **उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/कार्य,** वास्ते मुख्य कारखाना प्रबन्धक यांत्रिक कारखाना गोरखपुर द्वारा नीचे लिखे कार्य के लिए ऑनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैं। **क्र.सं. 1. ई-निविदा सूचना सं. एवं निविदा कार्य का विवरणः टेण्डर नं.:** "11-जीकेपी-एमडब्ल्यूएस-2025-26" "कनवर्जन ऑफ 50 नं. एनएमजी कोचेज इंटू एनएमजीएचएस कोचेज ऐट मैकेनिकल वर्कशॉप, गोरखपुर" **अनुमानित लागत (₹ में):** ₹1,11,28,569/-; **धरोहर राशि (₹ में):** ₹2,05,700/-; **निविदा समापन की तिथि एवं अवधिः** 11:00 बजे, दिनांकः 14.06.2025 **निविदा प्रपत्र का मूल्यः** ₹शून्य। **संविदा की अवधिः** 12 माह। उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण एवं निविदा में भाग लेने हेतु भारतीय रेल की वेबसाइट संख्या **http://www.ireps.gov.in** पर देखें।

उप मुख्य यॉंत्रिक इंजी०/कार्य

मुजाधि/यांत्रिक-29 **गोरखपुर**

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

मध्य रेल

नागपुर शाखा

इंजिनीयरिंग विभाग

ई-खुली निविदा संख्याः

मरेप्र कार्य नागपुर-42-2025 दि. 22.05.2025

अ क्र. 1) कार्य का नामः नागपुर डिविजन में डीईएन (उत्तर) नागपुर के अधिकार क्षेत्र में एडीईएन बैतूल उप-विभाग के अंतर्गत एलएचएस से वर्षा जल को बाहर निकालने के लिए पंपों को किराए पर लेना। (i) **अनुमानित लागतः** रु. 15,06,918.89 (ii) **बयाना राशीः** रु. 30,100.00 **अ क्र. 2) कार्य का नामः** नागपुर डिविजन में डीईएन (उत्तर) नागपुर के अधिकार क्षेत्र में एडीईएन अमला सब डिवीजन के तहत एलएचएस से वर्षा जल को बाहर निकालने के लिए पंपों को किराए पर लेना। (i) **अनुमानित लागतः** रु. 20,09,225.19 (ii) **बयाना राशीः** रु. 40,200.00 **अ क्र. 3) कार्य का नामः** नागपुर डिविजन में सीनियर डीईएन (सेंट्रल) नागपुर के अधिकार क्षेत्र में एडीईएन (दक्षिण) नागपुर उप-विभाग के तहत एलएचएस से वर्षा जल को बाहर निकालने के लिए पंपों को किराए पर लेना। (i) **अनुमानित लागतः** रु. 8,03,690.08 (ii) **बयाना राशीः** रु. 16,100.00 **अ क्र. 4) कार्य का नामः** नागपुर डिविजन में सीनियर डीईएन (सेंट्रल) नागपुर के अधिकार क्षेत्र में एडीईएन काटोल उप-विभाग के तहत एलएचएस से वर्षा जल को बाहर निकालने के लिए पंपों को किराए पर लेना। (i) **अनुमानित लागतः** रु. 22,60,378.34 (ii) **बयाना राशीः** रु. 45,200.00 **अ क्र. 5) कार्य का नामः** नागपुर डिविजन में डीईएन (दक्षिण) नागपुर के अधिकार क्षेत्र में एडीइएन वर्धा सब डिविजन के तहत एलएचएस से वर्षा जल को बाहर निकालने के लिए पंपों को किराए पर लेना। (i) **अनुमानित लागतः** रु. 35,63,399.61 (ii) **बयाना राशीः** रु 71,300.00 अ क्र: **6) कार्य का नामः** नागपुर डिविजन में डीईएन (दक्षिण) नागपुर के अधिकार क्षेत्र में एडीईएन वरोरा (मुख्य लाइन) उप-विभाग के अंतर्गत एलएचएस से वर्षा जल को बाहर निकालने के लिए पंपों को किराए पर लेना। (i) **अनुमानित लागतः** रु. 45,56,181.01 (ii) **बयाना राशीः** रु. 91,100.00 **अ क्र. 7) कार्य का नामः** नागपुर डिविजन में डीईएन (दक्षिण) एनजीपी के अधिकार क्षेत्र में एडीईएन वरोरा (शाखा लाइन) और एडीईएन बलल्लारशाह उप-विभाग के अंतर्गत एलएचएस से वर्षा जल को बाहर निकालने के लिए पंपों को किराए पर लेना। (i) **अनुमानित लागतः** रु. 16,32,495.47 (ii) **बयाना राशीः** रु. 32,700.00. निविदा बंद होने की तिथि **13/06/2025 एवं समय 15.00** ईटेंडरिंग की विस्तृत जानकारी एवं - तथा ऑन लाइन भाग लेने हेतु रेल वेबसाइट सूचना **www.ireps.gov.in** देखे।

मं.रे.प्र. (कार्य), नागपुर 62

रेल्वे फाटक को बंद स्थिति में पार करना मना है

पश्चिम रेलवे

इंजीनियरिंग कार्य

मंडल रेल प्रबंधक (डब्ल्यूए), पश्चिम रेलवे, 6ठी मंजिल, इंजीनियरिंग विभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई 400008 द्वारा निम्नलिखित ई-निविदा आमंत्रित की जाती है. **अ.क्र.: 1. ई-निविदा सूचना क्रमांकः बीसीटी/25-26/72 दिनांक 22.05.2025. कार्य एवं स्थानः** कांदिवली एवं विरार (कारशेड): 1 वर्ष की अवधि के लिए आउटसोर्सिंग के जरिए दैनिक आधार पर आवश्यकतानुसार मरम्मत कार्य. **कार्य की अनुमानित लागतः** रु. 27,75,835.20. **ईएमडीः** रु. 55,500/-. **अ.क्र. : 2. ई-निविदा सूचना क्रमांकः बीसीटी/25-26/73 दिनांक 22.05.2025. कार्य एवं स्थानः** खार रोड (पूर्व) और सांताक्रूज (पूर्व और पश्चिम) कॉलोनीः 730 दिनों की अवधि के लिए आउटसोर्सिंग के जरिए दैनिक आधार पर आवश्यकतानुसार मरम्मत कार्य. **कार्य की अनुमानित लागतः** रु. 98,31,175.54. **ईएमडीः** रु. 1,96,600/-. **दोनों निविदाओं की निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समयः** 20.06.2025 को 15:00 बजे तक. **दोनों निविदाओं की निविदा खोलने की तिथि एवं समयः** 20.06.2025 को 15:30 बजे. विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट **www. ireps.gov.in** का अवलोकन करें. 0196

Like us on : facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

सिगनलिंग कार्य

वरि. डीएसटीई/उत्तर/मुंबई सेंट्रल, 2री मंजिल, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, मुंबई सेंट्रल, मुंबई - 400008 द्वारा **निविदा क्रमांक : एसजी_216_2_110_डब्ल्यूए, दिनांक : 21.05.2025** आमंत्रित की जाती है. **कार्य और स्थान** : मुंबई मंडल के उधना - जलगांव सेक्शन में टीटीआर (टीडब्ल्यूएस) - 153 सेट्स (स्लीपर को छोड़कर) कार्य के अंतर्गत टीडब्ल्यूएस पॉइंट मशीन की व्यवस्था. **कार्य की अनुमानित लागत** : रु. 2,92,61,313.11. **ईएमडी** : रु. 2,96,300/-. **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय** : 16.06.2025 को 15:00 बजे तक. **निविदा खोलने की तिथि एवं समय** : 16.06.2025 को 15:30 बजे. अधिक जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट **www. ireps.gov.in** का अवलोकन करें. 0190

Like us on : facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

इंजीनियरिंग कार्य

मंडल रेल प्रबंधक (डब्ल्यूए), पश्चिम रेलवे, मुंबई सेंट्रल, मुंबई 400008 द्वारा निम्नलिखित ई-निविदा आमंत्रित की जाती है. **अ.क्र. 1. ई-निविदा सूचना क्रमांकः बीसीटी/25-26/65 दिनांक 21.05.2025. कार्य एवं स्थानः** उकाई सोनगढ़ - जलगांव अनुभाग : वरि.डीईएन/पूर्व क्षेत्राधिकार अंतर्गत सर्दी और मानसून गश्त के दौरान ठेकागत मजदूरों के जरिए पटरियों की सुरक्षा हेतु निरीक्षण, गश्त, ढीले फास्टनिंग और फिटिंग को व्यवस्थित करना. **कार्य की अनुमानित लागतः** रु. 1,71,21,435.81. **ईएमडीः** रु. 2,35,600/-. **अ.क्र. 2. ई-निविदा सूचना क्रमांकः बीसीटी/25-26/66 दिनांक 21.05.2025. कार्य एवं स्थानः** उधना - जलगांव अनुभाग : नंदुरबार - रेलवे ओवरहेड टैंक में एक वर्ष की अवधि हेतु ठेकेदार के स्वयं के स्त्रोत से प्रतिदिन 747600 लीटर पीने योग्य पानी की आपूर्ति का कार्य. **कार्य की अनुमानित लागतः** रु. 78,61,499.94. **ईएमडीः** रु. 1,57,200/-. **दोनों निविदाओं की निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समयः** 17.06.2025 को 15:00 बजे तक. **दोनों निविदाओं की निविदा खोलने की तिथि एवं समयः** 17.06.2025 को 15:30 बजे. विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** का अवलोकन करें. मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे. 0189

Like us on : facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

विद्युत कार्य

उपमुख्य विद्युत अभियंता (निर्माण), पश्चिम रेलवे, प्रथम तल स्टेशन भवन, कक्ष क्रमांक 165, चर्चगेट, मुंबई 400020 द्वारा **निविदा क्रमांक : ईएल-92-12-सी-सीसीजी-2025-26-01, दिनांक : 23.05.2025** आमंत्रित की जाती है. **कार्य का नाम** : पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल के अंतर्गत महालक्ष्मी क्रिकेट ग्राउंड में बीसीसीआई मानकों के अनुसार स्पोर्ट्स लाइटिंग सिस्टम एवं संबंधित विद्युत कार्यों की डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण एवं कमीशनिंग. **एनआईटी लागत** : रु. 1,98,18,530/-. **ईएमडी** : रु. 2,49,100/-. **ई-बोली जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय** : 16.06.2025 को 15:00 बजे तक. **ई-बोली खोलने की तिथि एवं समय** : 16.06.2025 को 15:30 बजे. अधिक जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** का अवलोकन करें. 0197

Like us on : facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

एसटीआर रखरखाव हेतु पाथवे और लाइट्स की व्यवस्था

मंडल रेल प्रबंधक (डब्ल्यूए), पश्चिम रेलवे, 6ठी मंजिल, इंजीनियरिंग विभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई 400008 द्वारा **ई-निविदा सूचना क्रमांक : बीसीटी/25-26/64, दिनांक 23.05.2025** आमंत्रित की जाती है. **कार्य और स्थान** : दादर - ट्रेनों के एसटीआर रखरखाव हेतु पाथवे और लाइट्स की व्यवस्था (संयुक्त निविदा). **कार्य की अनुमानित लागत** : रु. 3,37,75,021.98. ईएमडी : रु. 3,18,900/-. **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय** : 17.06.2025 को 15:00 बजे तक. **निविदा खोलने की तिथि एवं समय** : 17.06.2025 को 15:30 बजे. अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** का अवलोकन करें. 0198

Like us on : facebook.com/WesternRly

कोविड पॉजिटिव मरीज की पहली मृत्यु, शहर 17 कोविड मरीज की स्थिति स्थिर

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे ,मनपा क्षेत्र कोविड के 19 मरीज मिले है। आज एक कोविड मरीज की मौत से शहर सनसनी फैल गई है। आज ठाणे मनपा क्षेत्र में कोविड के 19 मरीज थे जिसमें एक मरीज निजी अस्पताल में है। जबकि 21 वर्षीय एक कोविड मरीज की मृत्यु हो गई। कोविड मरीज की मृत्यु की जानकारी छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल के अधीक्षक डॉ अनिरुद्ध मालगावकर ने दी है। मनपा के अतिरिक्त आयुक्त संदीप मालवी ने बताया है कि कोविड मरीज डायबिटीज टाइप वन से पीड़ित था जो सिर्फ इंसुलिन से नियंत्रित था। गुरुवार को अस्पताल भर्ती होने के समय उसकी हालत गंभीर थी और शुक्रवार की शाम जांच वह कोविड पॉजिटिव पाया गया। आज शनिवार को सुबह उसकी मृत्यु हो गई है। शुक्रवार को मनपा क्षेत्र में 10 कोविड पॉजिटिव मरीज थे आज 9 नए मरीज मिले से कोविड पॉजिटिव की संख्या बढ़कर 19 हो गई। इसमें 17 मरीजों की हालत स्थिर है। मनपा आयुक्त सौरभ राव ने कोविड के मरीज मिलने से मनपा प्रशासन को सभी आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया है। मनपा स्वास्थ्य विभाग और सभी अस्पतालों को कोरोना मरीजों की जांच के लिए अलर्ट रहने का निर्देश दिया है। इसके अलावा, कलवा स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल में एक विशेष कक्ष स्थापित किया गया है।कोरोना मरीजों का पता लगने का सिलसिला शुरू होने के मद्देनजर ठाणे मनपा आयुक्त सौरभ राव ने शुक्रवार को विभाग प्रमुखों की समीक्षा बैठक में मनपा क्षेत्र में कोरोना मरीजों की स्थिति का जायजा लिया। मनपा क्षेत्र में मिले कोविड मरीजो में हल्के लक्षण पाए जाने की जानकारी दी गई हैं और इन सभी का घर पर ही इलाज किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ चेतना नितिल ने बताया कि मरीजों हालत स्थिर है। उन्होंने यह भी कहा कि सभी स्वास्थ्य केन्द्रों में दवाओं का पर्याप्त स्टॉक और जांच किट भी उपलब्ध हैं। उपचार हेतु छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल में कोविड पॉजिटिव मरीजों के लिए 19 बिस्तरों का एक अलग वार्ड तैयार किया गया है, यह जानकारी अस्पताल के अधीक्षक डॉ. अनिरुद्ध मालगांवकर ने दी। उन्होंने यह भी कहा कि कलवा में आरटीपीसीआर सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। मनपा प्रशासन ने नागरिकों को सावधानी बरतने की सलाह दी है।

नागरिकों के टैक्स का पैसा भ्रष्टाचार के कारण कलवा खाड़ी में बह रहा : डॉ. जितेंद्र आव्हाड

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार के राष्ट्रीय महासचिव तथा विधायक दल के नेता डॉ. जितेंद्र आव्हाड ने आज राबोडी क्षेत्र में नालों का निरीक्षण किया। इस दौरान, यह पाया गया कि पुल निर्माण का मलबा नाले में डाल दिए जाने के कारण खाड़ी और नाले के बीच का सामान्य प्रवाह अवरुद्ध होने के कगार पर है। डॉ. जितेंद्र आव्हाड ने आलोचना करते हुए कहा कि ठाणे मनपा के अधिकारियों के भ्रष्टाचार के कारण नाले की सफाई ठप है और ठाणे निवासियों के टैक्स का पैसा कलवा खाड़ी में बह रहा है।

हाल ही में हुई बेमौसम बारिश के कारण राबोडी के क्रांति नगर क्षेत्र में नागरिकों के घरों में पानी जमा हो गया था। परिणामस्वरूप, कई लोगों की गिरस्ती बर्बाद हो गई। डॉ. जितेंद्र आव्हाड शहर अध्यक्ष सुहास देसाई और कार्यकारी अध्यक्ष प्रकाश पाटिल के साथ राबोडी क्षेत्र में नाले पर बनाए जा रहे पुल और उसके कंक्रीट स्लैब को नाले में डाले जाने से उत्पन्न बाढ़ की स्थिति का निरीक्षण किया।

डॉ. जितेंद्र आव्हाड ने इस नाले के निर्माण और इस पर बन रहे पुल को देखकर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि एसएमसी कंपनी को विद्युत व्यवस्था का ठेका दिया गया था। इसी कंपनी को इस निर्माण कार्य का ठेका भी दिया गया है। नालियों पर स्लैब के निर्माण में प्रयुक्त छड़ों का रासायनिक उपचार किया जाना आवश्यक है। हालाँकि, ऐसा न करने से सलाखें पहले ही जंग खा रही हैं। भविष्य में होने वाली आपदाओं की जिम्मेदारी कौन लेगा? इसीलिए जिन नागरिकों के घर में पानी भर गया उन्हें उचित मुआवजा दिया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी मांग की कि नाले के कारण विस्थापित होने के नाम पर बीएसयूपी में किसे मकान दिए गए, इसका लेखा-जोखा सार्वजनिक किया जाए। इस अवसर पर राजेश खारकर, राजेश कदम, राजेश साटम, अंकुश माधवी, संजीव दत्ता, रचना वैद्य, शिवा यादव, दिगंबर गरुड़, एकनाथ जाधव, संदीप यादव, सुरेश सिंह, मयूर पाटिल, मयूर पगारे, गणेश मोरे, संदीप क्षीरसागर, जयेश पाटिल, बंटी मोरे, राहुल पाटिल, प्रशांत मोरे सहित सैकड़ों स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

फास्ट ट्रैक

निर्देशक हंसराज लोहरा ने वेब सीरीज जूनियर जासूस का फर्स्ट लुक किया जारी,जून में होगी शूटिंग

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई , जानू राज फिल्म एंड टीवी इंटरनेशनल के बैनर तले बनने जा रही वेब सीरीज ₹जूनियर जासूस₹ का फर्स्ट लुक निर्देशक हंसराज लोहरा के द्वारा जारी किया गया। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में पोस्ट शेयर करते हुए लिखा कि ₹बहुत जल्द आयेगा आर्या डिजिटल ओटीटी पर,लीड एक्टर ऑन द पोस्टर ऋतु राज हजारीबाग से,जानवी सिंह बोकारो से,शीघ्रम श्रीवास्तव मुंबई से हैं। आर्या ग्रुप ऑफ कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर दुर्गेश आर सिंह राजपूत ने बताया कि जूनियर जासूस को जल्द से जल्द रिलीज करने का प्रयास हैं उम्मीद हैं आगामी एक से दो माह में यह वेब सीरीज बनकर तैयार हो जायेगी और आर्या डिजिटल ओटीटी पर रिलीज हो जायेगी।दर्शकों से अपील हैं कि अपना प्यार,आशीर्वाद और विश्वास यूं ही बनाए रखें। वहीं,निर्देशक हंसराज लोहरा ने बताया कि वेब सीरीज का कॉन्सेप्ट बेहतरीन हैं।दर्शकों को भरपूर मनोरंजन के साथ एक अलग अनुभव मिलेगा। विशेष कर युवा वर्ग को ध्यान में रखकर कहानी तैयार की गई हैं।जिसके लिए पूरी टीम ने काफी मेहनत की हैं।जो वेब सीरीज में देखने से ज्ञात होगा।वेब सीरीज के पीआर पार्टनर न्यू मीडिया टाइम हैं।

बदलापुर मुख्याधिकारी उमाकांत गायकवाड के आदेश से सुरक्षित रहेगा 100 वर्ष पुराना बरगद का वृक्ष

पर्यावरण संरक्षण के प्रति बदलापुर प्रेस क्लब और स्थानीय नागरिकों की सक्रियता रंग लाई

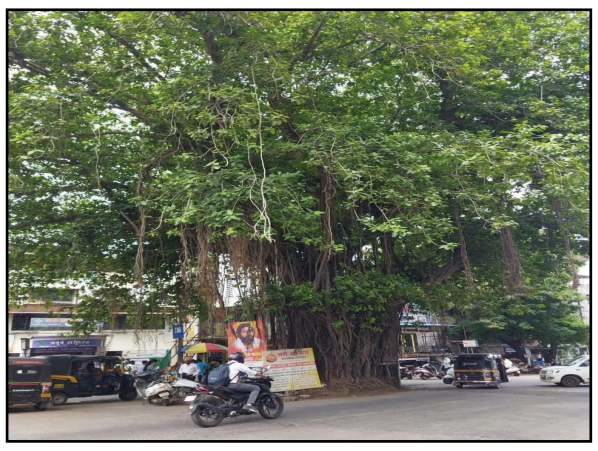

सिग्नल प्रणाली के लिए नवीन वैकल्पिक व्यवस्था की जाएगी।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

बदलापुर. बदलापुर प्रेस क्लब के पत्रकारों की सजगता,स्थानीय नागरिकों की सक्रियता तथा कुलगांव बदलापुर नगरपालिका के मुख्याधिकारी उमाकांत गायकवाड के पर्यावरण संरक्षण को महत्त्व देने वाले निर्णय ने बदलापुर पश्चिम के दत्त चौक पर स्थित लगभग 100 वर्ष पुराने विशाल बरगद के वृक्ष को एक नया जीवन प्रदान कर सुरक्षित कर लिया। बताते चले कि शहर की यातायात व्यवस्था को नियंत्रण में लाने के लिए नपा द्वारा चौक चौराहों पर सिग्नल प्रणाली लगाई जा रही है जिसके लिए शहर भर में अतिक्रम हटाओ अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान की जद में बदलापुर पश्चिम के दत्त चौक पर स्थित विशाल बरगद का वृक्ष भी आ गया था और नपा प्रशासन द्वारा दत्त चौक पर स्थित इस प्राचीन बरगद के वृक्ष को हटाने की तैयारी कर ली गई थी। यह खबर जैसे ही स्थानीय जनमानस और सजग पत्रकारों तक पहुंची तो वे इस वृक्ष के संरक्षण के लिए सक्रिय हो गए। इसके मुद्दे पर एक समाचार पत्र में नोटिस प्रकाशित कर लोगों से सुझाव और आपत्तियां भी मांगी गई थी। बदलापुर प्रेस क्लब ने तत्काल इस मुद्दे पर आपत्ति जताते हुए कुलगांव बदलापुर नगर पालिका के मुख्य अधिकारी मारुति गायकवाड़ से मुलाकात कर इस संदर्भ में एक मांगपत्र दिया गया। मुख्याधिकारी मारुति गायकवाड ने तत्काल इस मुद्दे पर संज्ञान लेते हुए सौ वर्ष पुराने इस बरगद के वृक्ष को यथावत रखने का निर्णय लिया और यातयात व्यवस्था के संचालन के लिए सिग्नल प्रणाली को वैकल्पिक व्यवस्था की जाएगी जिससे दोनों मुद्दों पर बेहतर कार्य किया जा सके। उक्त जानकारी बदलापुर प्रेस क्लब के सचिव संजय सालुंखे ने दी है।

मेहदीगंज में मानस सम्मेलन

कथावाचन ने सुनाया राम – सीता विवाह प्रसंग, सैकड़ों श्रद्धालु रहे मौजूद

रायबरेली, छतोह ब्लॉक के मेहदीगंज बाजार में मानस सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रवाचक रामभद्र महाराज ने श्रीराम-सीता विवाह की कथा सुनाई। प्रवाचक ने बताया कि राजा जनक के दरबार में भगवान शिव का धनुष रखा गया था। स्वयंवर में उपस्थित सभी राजाओं ने धनुष उठाने का प्रयास किया। लेकिन किसी को सफलता नहीं मिली। गुरु वशिष्ठ की आज्ञा पर श्रीराम ने धनुष उठाया। प्रत्यंचा चढ़ाते समय धनुष टूट गया। इसके बाद विधि-विधान से श्रीराम और सीता का विवाह हुआ। माता सीता ने श्रीराम को वरमाला पहनाई। इस दौरान देवताओं ने पुष्प वर्षा की। कार्यक्रम में राजा ओझा, सुभाष चंद्र शुक्ल, लल्ला तिवारी और डॉ. बच्चन सिंह ने प्रवाचक का सम्मान किया। यजमान भोला सिंह, रामबरन तिवारी, संजय सिंह, सुभाष चंद्र शुक्ल और तुलसी सिंह भी मौजूद रहे।

जमील शेख हत्याकांड में पुलिस ने कानून की हत्या की - डॉ. जितेंद्र आव्हाड

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , राबोडी निवासी कार्यकर्ता जमील शेख की हत्या के मामले में गिरफ्तार हत्यारे द्वारा सार्वजनिक रूप से नाम बताने के बाद भी पुलिस कार्रवाई नहीं कर रही है। और तो और, पुलिस अदालत के आदेश के बाद भी मुख्य मास्टरमाइंड को गिरफ्तार नहीं कर रही है। विधायक डॉ. जितेंद्र आव्हाड ने आरोप लगाया कि यह पुलिस द्वारा कानून की हत्या करने के समान है। कुछ वर्ष पहले राबोडी के मनसे कार्यकर्ता जमील शेख की हत्या कर दी गई थी। डॉ. जितेंद्र आव्हाड आज जमील शेख के घर उनकी बेटी को 10 वीं की परीक्षा में 90 प्रतिशत अंक लाने पर बधाई देने गए थे। उन्होंने इस अवसर पर पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए ये आरोप लगाए। डॉ. जितेंद्र आव्हाड ने बताया कि जमील की दोनों बेटियां बेहद बुद्धिमान हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि पैसे की कमी के कारण उसकी शिक्षा बाधित न हो, सुहास देसाई और मैंने अपनी बेटी, जो 10 वीं कक्षा पास कर चुकी है, उसकी आगे की शिक्षा का खर्च उठाने का निर्णय लिया है।

जब उनसे पूछा गया कि मुख्य आरोपी नजीब मुल्ला की गिरफ्तारी नहीं हुई है तो उन्होंने कहा कि हमें पुलिस जांच पर भरोसा नहीं है। जब नाम एफआईआर में होता है तो उसे आरोपपत्र से हटा दिया जाता है। इस तरह से नाम गायब करना गैरकानूनी है। इसलिए पुलिस जांच पर सवालिया निशान खड़ा हो गया है। हत्यारों द्वारा सुपारी देने वाले का नाम बताने के बाद भी पुलिस द्वारा सरगना को गिरफ्तार न करना, जांच अधिकारियों और अपराधियों के बीच मिलीभगत का संकेत है। डॉ. जितेंद्र आव्हाड ने यह भी कहा कि मोबाइल टावर लोकेशन की जांच के बाद यह स्पष्ट हो जाएगा कि अधिकारी और आरोपी एक दूसरे से मिले हुए थे।

मान्धाता तृतीय सीट से जिला पंचायत सदस्य पद के भावी प्रत्याशी अनुज राव

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रतापगढ़ , मान्धाता तृतीय जिला पंचायत सीट से युवा समाजसेवी अनुज राव इस बार फिर मैदान में उतरने के लिए ताल ठोक रहे हैं। यह वही अनुज राव है जो पिछले चुनाव में शानदार वोट हासिल कर दूसरे नंबर पर थे। लोगों का भरपूर समर्थन और साथ मिल रहा है। क्षेत्र की जनता की जोरदार मांग पर मान्धाता तृतीय सीट से अनुज राव पूरी तैयारी के साथ चुनाव लड़ने के लिए आ रहे हैं। पिछले चुनाव में ही अनुज राव का जोरदार माहौल था। अनुज राव युवा समाजसेवी है जो केन्द्र और राज्य सरकार की तमाम योजनाओं का लाभ जरुरतमंद तक पहुंचाने के लिए हमेशा प्रयासरत रहते हैं। अनगिनत लोगों का राशनकार्ड बनवाया, वृद्ध, विधवा पेंशन लगवाया, गरीब और जरूरतमंद को शादी अनुदान, स्वास्थ्य संबंधित मदद और शिक्षा से संबंधित मदद के लिए हमेशा जनता के साथ खड़े है। अनुज राव सामाजिक कार्यों में पिछले बीस वर्षों का अनुभव रखते हैं। नेहरू युवा केन्द्र से जुड़कर काम कर चुके हैं वे एक बेहतरीन क्रिकेटर हैं। क्षेत्र में युवाओं के बीच मजबूत पकड़ है। ब्लाक, विकास भवन, श्रम विभाग की तमाम योजनाओं का लाभ जनता तक दिलाने के लिए भाग-दौड़ करते रहते हैं। अनुज राव क्षेत्र में एक मिलनसार और सरल स्वभाव के युवा के रुप में जाने जाते हैं। बहुत कम समय में समाजसेवा और राजनीति में अपना परचम लहराने वाले अनुज राव पत्रकार भी हैं। पिछले दस वर्षों से लगातार एक दैनिक समाचार पत्र के लिए मान्धाता से संवाददाता है और प्रतापगढ़ प्रेस क्लब के सदस्य भी हैं। क्षेत्र के लोग अनुज राव के व्यहवार को काफी पसंद करते हैंऔर सामाजिक, पारिवारिक और धार्मिक कार्यों में हमेशा आंमत्रित करते हैं। सार्वजनिक कार्यक्रम भंडारा और धार्मिक आयोजन में हमेशा बढ़-चढ़कर सहभागिता करने वाले अनुज राव के पक्ष में माहौल नजर आ रहा है। जनता के बीच अनुज राव के कार्य की चर्चा है और इस बार अनुज राव के समर्थन में क्षेत्र की जनता नजर आ रही है।

दुकान से सामान नहीं खरीदने पर हमला

शाहजहांपुर में एक ही परिवार के 5 लोग घायल

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, रोजा थाना क्षेत्र में दुकान से सामान न खरीदने को लेकर हुए विवाद में एक परिवार के पांच सदस्य घायल हो गए। घटना बंतारा गांव की है। मनोज के परिवार ने आरोप लगाया कि वह अपने घर के पास की एक परचून की दुकान से सामान खरीदते हैं। पास में स्थित दूसरी परचून और मिठाई की दुकान के मालिक से इसी बात को लेकर विवाद होता था। बीती रात जब युवक सामान खरीदने जा रहा था। तब दुकानदार ने उसके साथ गाली-गलौज की। विरोध करने पर दुकानदार ने अपने साथियों के साथ मिलकर लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से हमला कर दिया। इस हमले में मनोज, उनकी पत्नी सुनीता, बहन सुदामा, शिवम और शुभम घायल हो गए। थाना प्रभारी राजीव कुमार ने बताया कि दोनों पक्षों के कुल छह लोग घायल हुए हैं। सभी घायलों को राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। एक पक्ष की तहरीर मिल गई है और एफआईआर दर्ज की जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जीजा के पैर छुए, फिर कनपटी पर गोली मारी

हत्या के बाद डीजे पर नाचे साले, शाहजहांपुर में भांजे को परिवार ने बचाया

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, दो फुफेरे सालों ने अपने जीजा की गोली मारकर हत्या कर दी। दोनों ने पहले जीजा के पैर छुए। इसके बाद बहला-फुसलाकर किनारे ले जाने के बाद गोली मार दी। दोनों आरोपी हत्या करने के बाद शादी के कार्यक्रम में वापस लौटे। फिर डीजे पर जमकर डांस किया। आरोपियों की भांजे को मारने की भी प्लानिंग थी। मगर इससे पहले ही वहां मौजूद रिश्तेदारों ने दोनों को पकड़ लिया। पुलिस ने हत्या में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक की तलाश की जा रही है। जांच में हत्या के पीछे अवैध संबंध की बात सामने आई है। घटना मुकुंदपुर गांव की देर रात की है। लखीमपुर खीरी के मोहम्मदी थाना क्षेत्र के सिसेरा निकुमपुर गांव निवासी अमित के चचिया ससुर उमेश की बेटी किरन की शादी थी। इसमें शामिल होने के लिए अमित अपनी कार लेकर बेटे केशव (12) के साथ शाहजहांपुर के जेबा मुकुंदपुर गांव आया था। मृतक के चचेरे भाई विनीत ने बताया- शुक्रवार रात 10 बजे अमित जैसे ही अपने ससुराल पहुंचा। कार से उतरते ही फुफेरे साले हरदोई के शाहबाद निवासी अभिषेक और अमन उससे मिलने पहुंच गए। दोनों ने पहले अपने जीजा अमित के पैर छुए, इसके बाद उनसे गले मिले। फिर दोनों उसे शराब पीने के लिए बोलकर चलने के लिए कहने लगे। इसके बाद अमित अपने सालों अभिषेक, अमन और एक अन्य व्यक्ति माइकल के साथ पैदल ही चला गया। करीब एक घंटे के बाद अभिषेक और अमन लौट आए और डीजे पर जाकर डांस करने लगे। जब एक घंटे तक अमित नहीं दिखा तो ससुराल पक्ष के लोगों ने खोजबीन शुरू की। मगर उसका कुछ पता नहीं चला। अमित का फोन भी लगातार स्विच ऑफ जा रहा था। डीजे पर डांस करने के करीब आधे घंटे के बाद अभिषेक और अमन, अमित के बेटे केशव को भी अपने साथ बाहर ले जाने लगे। बोले- तुम्हारे पापा ने बुलाया है। इस पर अमित के ससुराल पक्ष के लोगों ने उन्हें रोक लिया। दोनों ने कहा- ये हमारा भांजा है, हम साथ ले जा सकते हैं। इस पर परिजनों ने कहा- अमित के मिलने के बाद ही ले जाने देंगे। पैर में खून लगा देखा तो शक हुआ ससुराल पक्ष के लोगों ने अभिषेक और अमन के पैरों में खून लगा देखा तो उन्हें शक हुआ। उन्होंने दोनों को पकड़ लिया और पूछताछ की।

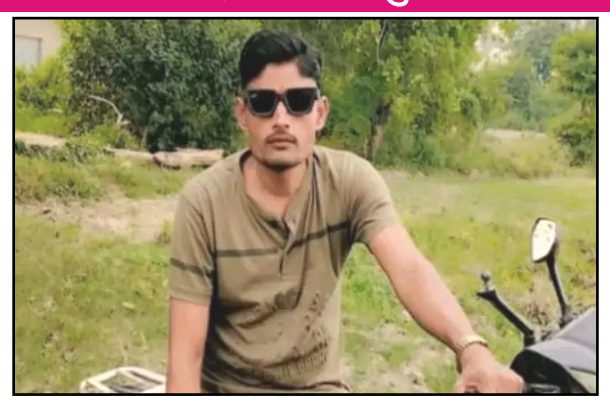

युवक का फंदे से लटका मिला शव

गांव के बाहर पेड़ पर फांसी लगाकर दी जान

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मिर्जापुर, कछवां थाना क्षेत्र के बजहां गांव में एक मजदूर ने पेड़ पर फांसी लगाकर जान दे दी। मृतक की पहचान जयप्रकाश (45) के रूप में हुई। वह पलटू हरिजन के पुत्र थे। जयप्रकाश ने शनिवार सुबह ईंट भट्ठे के पास एक पेड़ में रस्सी का फंदा लगाया। उनकी पत्नी उस समय मजदूरी के लिए निकल गई थीं। माना जा रहा है कि पत्नी के घर से जाने के बाद उन्होंने यह कदम उठाया।

राहगीरों को शव दिखने के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस आत्महत्या के कारणों की जांच कर रही है। जयप्रकाश और उनकी पत्नी मजदूरी करके परिवार चला रहे थे। उनके 6 बच्चे हैं, जिनमें 5 बेटियां और एक बेटा है। उनकी एक बड़ी बेटी की शादी हो चुकी है। आर्थिक तंगी को आत्महत्या का संभावित कारण माना जा रहा है। घटना से परिवार टूट गया है और परिजन रो-रोकर बुरा हाल में हैं।

शादी से लौट रहे व्यक्ति को डंपर ने रौंदा

ग्रामीणों ने डंपर और चालक को पकड़ा, जांच में जुटी पुलिस

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, पुवायां थाना क्षेत्र में डंपर ने 50 वर्षीय व्यक्ति को रौंद दिया। जिससे व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान बरियोना गांव निवासी गुड्डू के रूप में हुई है। वह शादी समारोह में नेक मांगकर अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे। घटना बीती रात की है। जब गुड्डू एक शादी समारोह से वापस लौट रहा था। हदुआ गांव के पास एक तेज रफ्तार डंपर ने उन्हें कुचल दिया। घटना में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि स्थानीय ग्रामीणों ने डंपर और चालक को पकड़ लिया था। उन्होंने परिवार को सूचना दी। परिजन जब तक मृतक को अस्पताल ले गए। डंपर मौके पर ही खड़ा था। डॉक्टरों ने गुड्डू को मृत घोषित कर दिया। परिजनों का आरोप है कि जब वे अस्पताल से वापस घटनास्थल पर पहुंचे। तब तक डायल 112 की पुलिस टीम वहां आ चुकी थी। पुलिसकर्मियों ने चालक को डंपर समेत भगा दिया। मृतक के पीछे पत्नी और सात बच्चे हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। सीओ पुवायां ने कहा है कि परिवार द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच कराई जाएगी।

दस साल बाद मिला कब्जा, पीड़ितों ने जताया आभार

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, थाना दिवस को अभियान के रूप में मनाया गया। इस दौरान एडीएम अरविंद कुमार ने दो अलग-अलग मामलों में अवैध कब्जे से मुक्ति दिलाई। सिंधौली के बारापुर गांव में चार किसानों की पट्टे की जमीन पर पिछले दस साल से अवैध कब्जा था। शिकायत मिलने पर एडीएम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। लेखपाल से जमीन की पैमाइश कराने के बाद अवैध कब्जा हटवाया गया। पट्टाधारक रामौतार, कल्लू, रातवति और गदामु को उनकी जमीन वापस मिली। दूसरा मामला पनवाड़ी गांव का था। यहां एक किसान यूनियन के पदाधिकारी ने करीब 50 परिवारों के रास्ते पर कब्जा कर लिया था। आरोपी ने रास्ते में गड्ढा खोदकर तार लगा दिए थे। इससे ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। एडीएम ने मौके पर पहुंचकर कब्जा हटवाने के निर्देश दिए।

भारत संवाद परिवार

1-संरक्षक-भारत संवाद
डॉ राम किशोर शर्मा
पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित,
2-संरक्षक-भारत संवाद
आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय
भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ
3-संरक्षक-भारत संवाद
गजानन महतपुरकर
(सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त)
4-कला एवं मनोरंजन संपादक
(भारत संवाद)
जगन्नाथ तिवारी
5-उपसंपादक (भारत संवाद)
माता प्रसाद शर्मा
6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण
(भारत संवाद)
आशीष कुमार शर्मा

सिंध नदी परियोजना के खिलाफ प्रदर्शन हिंसक हुआ

राष्ट्रपति की बेटी के काफिले पर हमला, चार दिन पहले गृहमंत्री का घर जलाया था

एजेंसी

इस्लामाबाद, पाकिस्तानी राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी की बेटी और सांसद आसिफा भुट्टो के काफिले पर शुक्रवार को भीड़ ने हमला कर दिया। इसका वीडियो शनिवार को सामने आया। पुलिस के मुताबिक आसिफा कराची से नवाबशाह जा रही थीं। इसी दौरान प्रदर्शनकारियों ने उनके काफिले को रोका और विवादित नहर परियोजना और कॉर्पोरेट खेती के खिलाफ नारे लगाए। कुछ लोगों ने काफिले की गाड़ियों पर डंडों से हमला कर दिया। आसिफा के साथ मौजूद सुरक्षा टीम और हैदराबाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की और उनकी गाड़ी को सुरक्षित वहां से निकाल लिया। इस पूरी घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। पाकिस्तान सरकार सिंध नदी पर नहर बनाने की प्लानिंग कर रही है। इससे स्थानीय लोग नाराज हैं। नाराज लोगों ने मंगलवार को सिंध के गृह मंत्री जियाउल हसन लंजर का घर जला दिया था। इलाके के एसएसपी जफर सिद्दीकी ने मीडिया को बताया कि

काफिला एक मिनट से भी कम समय के लिए रुका था और आसिफा या उनके सुरक्षा कर्मियों को कोई नुकसान नहीं हुआ। उन्होंने कहा- शांतिभंग करने वाले प्रदर्शनकारियों के खिलाफ ऋकफ दर्ज की गई है और कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अशांति फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पाकिस्तान में प्रदर्शनकारियों ने मंगलवार को सिंध के गृह मंत्री जियाउल हसन लंजर का घर जला दिया था। प्रदर्शनकारियों ने घर की सुरक्षा में तैनात गार्ड्स को भी पीटा। रिपोर्ट के मुताबिक सिंध के नौशेहरो फिरोज जिले में मंगलवार को पुलिस और एक राष्ट्रवादी संगठन के कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई थी। इसमें कम से कम 2 लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा दोनों तरफ के कई लोग भी घायल हो गए। पाकिस्तानी वेबसाइट जियो टीवी के मुताबिक सरकार की योजना सिंध नदी पर नहरें बनाकर चोलिस्तान में हजारों एकड़ बंजर जमीन पर खेती करने की है। इसकी लागत करीब 211 अरब पाकिस्तानी रुपए (63 अरब भारतीय रुपए) है। हालांकि बिलावल भुट्टो की पार्टी पीपीपी इसके खिलाफ है। उनका कहना है कि सिंध को इससे नुकसान होगा और उनका पानी छीन लिया जाएगा। कुछ हफ्ते पहले एक समिति (काउंसिल ऑफ कॉमन इंटरेस्ट- सीसीआई) ने भी इस प्रोजेक्ट को खारिज कर दिया था। उनका कहना था कि जब तक सभी राज्यों (प्रांतों) की आपसी सहमति नहीं होगी, तब तक कोई नई नहर नहीं बनेगी। इसके बावजूद सिंध में विरोध प्रदर्शन जारी हैं। मंगलवार को जब प्रदर्शनकारियों ने हाईवे पर धरना देने की कोशिश की तो पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए बल प्रयोग किया। जवाब में लोगों ने पत्थर फेंके। इस झड़प में एक पुलिस अधिकारी (एसएचओ) और दो पुलिसकर्मी घायल हो गए, जबकि पांच प्रदर्शनकारियों को भी चोटें आईं। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पाकिस्तान के सबसे ताकतवर परिवार से आती हैं आसिफा 18 दिसंबर 1987 में बेनजीर भुट्टो और आसिफ अली जरदारी का निकाह हुआ था। दोनों के तीन बच्चे हैं। आसिफा सबसे छोटी हैं। उनकी पूरी एजुकेशन ब्रिटेन में हुई। आसिफा की बड़ी बहन बख्तावर भुट्टो की लंदन के बिजनेसमैन से शादी हुई है। भाई बिलावल पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के चेयरमैन हैं। मां बेनजीर की 27 दिसंबर 2007 को एक रैली के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

पूर्व पीएम इमरान का आर्मी चीफ पर तंज

कहा- उन्हें खुद को राजा की उपाधि देना चाहिए; पाक पीएम 4 देशों के दौरे पर जाएंगे

एजेंसी

इस्लामाबाद, पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने आर्मी चीफ आसिम मुनीर के फील्ड मार्शल बनने पर तंज कसा है। इमरान ने कहा है कि मुनीर को खुद को राजा की उपाधि देनी चाहिए। जनरल मुनीर को भारत-पाक संघर्ष के बाद 20 मई को फील्ड मार्शल के पद पर प्रमोट किया गया। वे देश के इतिहास में इस पद पर पहुंचने वाले दूसरे आर्मी चीफ हैं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ 25 से 30 मई तक तुर्किये, ईरान, अजरबैजान और ताजिकिस्तान का दौरा करेंगे। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार

को इस बारे में जानकारी दी। मंत्रालय के मुताबिक शरीफ इस दौरान इन देशों के साथ कई मुद्दों पर चर्चा करेंगे और हाल ही में भारत के साथ संघर्ष के समय मदद करने के लिए आभार जताएंगे। बयान में यह भी कहा गया कि शरीफ 29-30 मई को ताजिकिस्तान की राजधानी दुशान्बे में ग्लेशियर्स पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भी भाग लेंगे। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के चेयरमैन बिलावल भुट्टो ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात की। बिलावल ने शरीफ से सलाह मांगी कि दुनिया के सामने पाकिस्तान का पक्ष कैसे रखा जाए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस बैठक में सीनेटर शेरी रहमान और पूर्व विदेश मंत्री हिना रब्बानी खार भी मौजूद थीं। पिछले हफ्ते, शरीफ ने बिलावल को एक हाई लेवल डेलिगेशन की लीडरशिप सौंपी है, जो भारत के साथ हुए तनाव को लेकर दुनिया के सामने पाकिस्तान क पक्ष रखेगा। पाकिस्तानी सांसद सैयद अली जफर ने सिंधु जल संकट को बताया वाटर बम बताया है। उन्होंने सरकार से मांग की है कि वो जल्द से जल्द से संकट से बाहर निकलने के लिए कोई कदम उठाए। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी से सांसद अली जफर ने शुक्रवार को पाकिस्तान संसद में कहा कि हमारा हर 10 में से 9 आदमी इसी पर नदी पर निर्भर है। हमारी 90% फसलों को इसी नदी से पानी मिलता है। उन्होंने कहा- अगर हम इस जल संकट को अभी नहीं सुलझाते, तो हम भूख से मर सकते हैं। इसकी वजह यह है कि सिंधु बेसिन हमारी लाइफ लाइन है।

यूनुस बांग्लादेश सरकार के मुख्य सलाहकार बने रहेंगे

इमरजेंसी बैठक के बाद फैसला; सेना ने दिसंबर तक चुनाव कराने का अल्टीमेटम दिया

एजेंसी

ढाका, बांग्लादेश में जारी राजनीतिक उथल पुथल के बीच सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस अपने पद पर बने रहेंगे। इससे पहले माना जा रहा था कि वो राजनीतिक और सैन्य दबाव के चलते इस्तीफा दे सकते हैं। मोहम्मद यूनुस ने शनिवार को सलाहकार परिषद की एक बैठक बुलाई थी। इस बैठक के बाद प्लानिंग एडवाइजर वाहिदुद्दीन महमूद ने कहा- मोहम्मद यूनुस हमारे साथ बने रहेंगे। उन्होंने कहा कि हम लोगों को भी नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। न्यूज एजेंसी यूएनबी के मुताबिक सलाहकार परिषद की एक बैठक के बाद जल्द मंत्रियों के साथ बैठक होगी। वहीं, सेना प्रमुख वकार-उज-जमां ने स्पष्ट रूप से दिसंबर तक चुनाव कराने का अल्टीमेटम दिया है। दूसरी ओर, विपक्षी दल बीएनपी और जमात-ए-इस्लामी के बीच चुनाव को लेकर चर्चा और सड़कों पर संघर्ष की रणनीतियां बन रही हैं। नेशनल सिटिजन पार्टी (एनएसपी), जमात-ए-इस्लामी के स्टूडेंट विंग छात्र शिबिर और वामपंथी छात्र संगठनों ने एकमत होकर कहा है कि जब तक पिछली सरकार के दौरान हुई हिंसा और हत्याओं की निष्पक्ष जांच नहीं होती, चुनाव का कोई मतलब नहीं। एनसीपी के छात्र नेता नाहिद इस्लाम का कहना है कि अगर देश के सभी वर्ग इस तरह असहयोग करेंगे तो डॉ. यूनुस इस्तीफा दे देंगे। हमने उनसे अनुरोध किया है कि वे इस्तीफा न दें, लेकिन चुनाव से पहले न्याय जरूरी है। पूर्व पीएम खालिदा जिया की पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने डॉ. यूनुस की सरकार से तुरंत चुनाव रोडमैप की मांग की है। पार्टी महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने कहा कि रोडमैप के बिना वर्तमान सरकार का समर्थन संभव नहीं है। सूत्रों के अनुसार, बीते सप्ताह बीएनपी और जमात-ए-इस्लामी के बीच 4 बैठकें हुई हैं, जिनमें आंदोलन की रणनीति पर चर्चा हुई। सेना के दबाव में डॉ. यूनुस के इस्तीफे की अटकलें तेज हो गई हैं। वहीं चर्चा है कि वे चुनाव कराए बिना राजनीतिक दलों से बातचीत कर फिर से एक राष्ट्रीय सरकार बनाने की कोशिश कर सकते हैं। बीएनपी ने स्पष्ट कर दिया है कि चुनाव के बिना किसी भी राष्ट्रीय सरकार को वह वैध नहीं मानेगी। पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की बीएनपी ने भी यूनुस पर दबाव बढ़ाते हुए दिसंबर में चुनाव कराने की मांग दोहराई है।

ट्रम्प की यूरोपीय यूनियन पर 50% टैरिफ लगाने की धमकी

1 जून से लागू होगा; कहा- ईयू से कोई समझौता नहीं कराना चाहते

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने यूरोपीय यूनियन के देशों पर 50% टैरिफ लगाने की धमकी दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए बताया कि यूरोपीय यूनियन से आने वाले सभी प्रोडक्ट्स पर 50% टैरिफ लगेगा, जब तक कि ये प्रोडक्ट्स अमेरिका में नहीं बनाए जाते। ट्रम्प इसे 1 जून लागू करने का प्लान बना रहे हैं। पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प यूरोपीय यूनियन के साथ ट्रेड डील के आगे न बढ़ने से

नाराज है। ईयू ने आपसी सहमति से सभी टैरिफ को 0 करने का प्रस्ताव रखा है, जबकि ट्रम्प सभी तरह के आयात पर 10% टैरिफ लगाने की बात पर अड़े हैं। ट्रम्प ने ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बातचीत में साफ किया कि वे ईयू से कोई समझौता नहीं चाहते। अगर कंपनियां अमेरिका में निवेश करें तो टैरिफ को टाल सकते हैं। यूरोपीय यूनियन (ईयू) के बिजनेस हेड मारोस सेफकोविक ने ट्रम्प की धमकी पर कहा कि हम अमेरिका से सम्मान के साथ व्यापार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, न कि धमकियों से डर कर। सेफकोविक ने कहा- ईयू और अमेरिका के बीच बहुत बड़ा व्यापार है। इसे आपसी सम्मान से चलना चाहिए, न कि धमकियों से। हम अपने हितों की रक्षा के लिए तैयार हैं। बता दें कि ईयू और अमेरिका के बीच 900 अरब डॉलर से ज्यादा का आपसी ट्रेड है। पिछले साल ईयू ने अमेरिका को 600 अरब डॉलर से ज्यादा का सामान भेजा और 370 अरब डॉलर का सामान खरीदा। यूरोप पर टैरिफ के ऐलान से पहले ट्रम्प ने भारत और दूसरे देशों में बनने वाले आईफोन पर 25% टैरिफ लगाने की चेतावनी दी थी। बाद में ट्रम्प ने साफ किया कि विदेशों में बने सभी स्मार्टफोन पर टैरिफ लगेगा और यह जून के अंत तक लागू हो सकता है। डोनाल्ड ट्रम्प नहीं चाहते कि एपल के प्रोडक्ट भारत में बने।

अगर आतंकवाद पागल कुत्ता है, तो पाकिस्तान इसका जंगली संचालक..

जापान में अभिषेक बनर्जी का बयान

एजेंसी

जापान में भारतीय समुदाय के साथ सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल की बातचीत के दौरान, टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने कहा कि हम यहां यह संदेश और सच्चाई साझा करने के लिए आए हैं कि भारत झुकने से इनकार करता है। हम डर के आगे नहीं झुकेंगे।

तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी ने गुरुवार को टोक्यो में अपने जोशीले भाषण में कहा कि भारत पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के डर के आगे घुटने नहीं टेकेगा। जापान में भारतीय समुदाय के साथ सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल की बातचीत के दौरान, टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने कहा कि हम यहां यह संदेश और सच्चाई साझा करने के लिए आए हैं कि भारत झुकने से इनकार करता है। हम डर के आगे नहीं झुकेंगे। मैं एक राजनीतिक दल से संबंधित हूं जो विपक्ष में है। मैंने सार्वजनिक रूप से कहा है कि पाकिस्तान को उसकी भाषा में सबक सिखाया जाना चाहिए। अभिषेक बनर्जी ने साफ तौर पर कहा कि अगर आतंकवाद एक पागल कुत्ता है, तो पाकिस्तान एक दुष्ट संचालक है। हमें सबसे पहले इस जंगली संचालक से निपटने के लिए दुनिया को एक साथ लाने की जरूरत है। अन्यथा, यह जंगली संचालक और अधिक पागल कुत्तों को पालेगा और बड़ा करेगा। बनर्जी ने कहा कि भारत ने पाकिस्तान के साथ संघर्ष को जिम्मेदारी से संभाला है और यह सुनिश्चित किया है कि उनकी कार्रवाई सटीक तथा तनाव बढ़ाने वाली प्रकृति की न हो। भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था, जिसके तहत पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकी बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया था। टीएमसी सांसद ने कहा कि भारत ने जापान से संपर्क किया था क्योंकि वह एक रणनीतिक साझेदार है और उसने देश को आतंकवाद को बढ़ावा देने में पाकिस्तान की संलिप्तता के बारे में चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा, ₹हम अलग-अलग पार्टियों से यहां आए हैं और आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई में एकजुट हैं। हम सबूतों के साथ आए हैं। आज यह भारत है, कल यह कोई और देश होगा।

पाकिस्तानी जासूसी नेटवर्क पर ताबड़तोड़ एक्शन

जांच में पता चला कि पाकिस्तान से जुड़े कई वॉट्सऐप ग्रुप में शामिल होने के बाद तुफैल को फैसलाबाद की नफीसा नाम की महिला से संपर्क करने का निर्देश दिया गया। धीरे-धीरे वह हनी ट्रैप में फंस गया।

यूपी एटीएस की रडार पर 20 व्हाट्सएप ग्रुप और 500 फोन नंबर

एजेंसी

उत्तर प्रदेश आतंकवाद निरोधक दस्ते (यूपी एटीएस) ने पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में वाराणसी के नवापुरा से मोहम्मद तुफैल को गिरफ्तार किया है। सूत्रों के अनुसार, तुफैल के व्हाट्सएप ग्रुप से जुड़े उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल क्षेत्र के 500 से अधिक मोबाइल नंबर अब निगरानी में हैं। जांच में पता चला कि पाकिस्तान से जुड़े कई वॉट्सऐप ग्रुप में शामिल होने के बाद तुफैल को फैसलाबाद की नफीसा नाम की महिला से संपर्क करने का निर्देश दिया गया। धीरे-धीरे वह हनी ट्रैप में फंस गया। तुफैल नियमित रूप से नफीसा से चैट करता था और उसे संवेदनशील जगहों की तस्वीरें भेजने लगा। तुफैल ने नफीसा के साथ न केवल जानकारी साझा की, बल्कि उसे उपहार भी भेजे। जांच एजेंसियों ने पुष्टि की है कि उसने नेपाल और पंजाब के रास्ते सामान पहुंचाया, जिसमें एक साड़ी और एक सूट शामिल है। यूपी एटीएस फिलहाल यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि नफीसा के कहने पर तुफैल किन शहरों में गया और उसने उसके साथ कौन सी संवेदनशील तस्वीरें या वीडियो साझा किए। वे मुस्लिम युवाओं द्वारा भाग लिए जाने वाले धार्मिक समारोहों या सम्मेलनों में उसकी भागीदारी की भी जांच कर रहे हैं। जमात से जुड़े बड़े समूह, जिनकी संख्या अक्सर 200 से 250 के बीच होती थी, नियमित रूप से तुफैल के घर आते थे। यूपी के विभिन्न शहरों और पंजाब के सरहिंद की यात्रा करने के बाद, तुफैल ने कथित तौर पर लगभग 20 व्हाट्सएप ग्रुप बनाए।

यूएन में गरजा भारत, मुंह छिपाकर भागा पाकिस्तान

एजेंसी

सिंधु जल संधि पर संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के दुष्प्रचार की धज्जियाँ उड़ाते हुए भारत ने कहा कि इस्लामाबाद ने भारत पर तीन युद्ध और हजारों आतंकी हमले करके अपनी भावना का उल्लंघन किया है, जिसका उद्देश्य नागरिकों के जीवन, धार्मिक सद्भाव और आर्थिक समृद्धि को बंधक बनाना है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि, राजदूत पार्वथानेनी हरीश ने कहा कि हम सिंधु जल संधि के बारे में पाकिस्तान के प्रतिनिधिमंडल द्वारा किए जा रहे दुष्प्रचार का जवाब देने के लिए बाध्य हैं। भारत ने हमेशा एक ऊपरी तटवर्ती राज्य के रूप में जिम्मेदारी से काम किया है। हरीश स्लोवेनिया के स्थायी मिशन द्वारा सशस्त्र संघर्ष में जल की रक्षा - नागरिक जीवन की रक्षा पर आयोजित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद अरिया फॉर्मूला बैठक को संबोधित कर रहे थे। जम्मू-कश्मीर में 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए भयावह हमले के बाद, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे, भारत ने फैसला किया था कि 1960 की सिंधु जल संधि को तत्काल प्रभाव से स्थगित रखा जाएगा, हरीश ने संयुक्त राष्ट्र की बैठक में कहा कि भारत ने 65 साल पहले सद्भावना के साथ सिंधु जल संधि में प्रवेश किया था। इस बात पर गौर करते हुए कि संधि की प्रस्तावना में वर्णित है कि इसे सद्भावना और मित्रता की भावना में संपन्न किया गया था, हरीश ने इन साढ़े छह दशकों के दौरान कहा कि पाकिस्तान ने भारत पर तीन युद्ध और हजारों आतंकवादी हमले करके संधि की भावना का उल्लंघन किया है ।जब तक कि पाकिस्तान विश्वसनीय और अपरिवर्तनीय रूप से सीमा पार आतंकवाद के लिए अपने समर्थन को त्याग नहीं देता। हरीश ने संयुक्त राष्ट्र की बैठक में कहा कि भारत ने 65 साल पहले सद्भावना के साथ सिंधु जल संधि में प्रवेश किया था।

पश्चिम रेलवे

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य - प्रबंधक, मुंबई सेंट्रल मंडल, पश्चिम रेलवे
मंडल रेल प्रबंधक, वाणिज्य विभाग, एनएफआर अनुभाग, मुंबई सेंट्रल – मुंबई – 400 008

कार्य – मुंबई मंडल में विभिन्न एनएफआर मीडिया के जरिये विज्ञापनों का प्रदर्शन

नीलामी पुस्तिका क्र.	नीलामी का आरंभ (सभी लॉट्स)
MMCT-ADVTM25-13	05.06.2025 को 14.00.00 बजे

अ. क्र.	लॉट क्र.	स्थान /एरिया	दिवस	ई-नीलामी बंद होने की तिथि एवं समय
1	MSS-BCT-GMN-BS-71-25-1 (Misc-Static-Services -Battery swapping stations)	गोरेगांव स्टेशन पर बैटरी स्वैपिंग स्टेशन (बीएसएस) के विकास, संचालन और अनुरक्षण हेतु अनुबंध.	1096	05-06-25, 14:30:00
2	MSS-BCT-STC-BS-68-25-1 (Misc-Static-Services -Battery swapping stations)	सांताक्रूज स्टेशन पर बैटरी स्वैपिंग स्टेशन (बीएसएस) के विकास, संचालन और अनुरक्षण हेतु अनुबंध	1096	05-06-25, 14:40:00
3	MSS-BCT-BVI-BS-70-25-1 (Misc-Static-Services -Battery swapping stations)	बोरीवली स्टेशन पर बैटरी स्वैपिंग स्टेशन (बीएसएस) के विकास, संचालन और अनुरक्षण हेतु अनुबंध	1096	05-06-25, 14:50:00
4	MSS-BCT-KILE-BS-72-25-1 (Misc-Static-Services -Battery swapping stations)	कांदिवली स्टेशन पर बैटरी स्वैपिंग स्टेशन (बीएसएस) के विकास, संचालन और अनुरक्षण हेतु अनुबंध	1096	05-06-25, 15:00:00
5	MSS-BCT-ADH-BS-67-25-1 (Misc-Static-Services -Battery swapping stations)	अंधेरी स्टेशन पर बैटरी स्वैपिंग स्टेशन (बीएसएस) के विकास, संचालन और अनुरक्षण हेतु अनुबंध	1096	05-06-25, 15:10:00
6	MSS-BCT-VLP-BS-69-25-1 (Misc-Static-Services -Battery swapping stations)	विलेपार्ले स्टेशन पर बैटरी स्वैपिंग स्टेशन (बीएसएस) के विकास, संचालन और अनुरक्षण हेतु अनुबंध	1096	05-06-25, 15:20:00

नीलामी पुस्तिका क्र.	नीलामी का आरंभ (सभी लॉट्स)
MMCT-ADVT-25-15	05.06.2025 को 15.00.00 बजे

अ. क्र.	लॉट क्र.	स्थान /एरिया	दिवस	ई-नीलामी बंद होने की तिथि एवं समय
1	ADVT-BCT-BVI-OH-365-25-1 (Advertising - Out of Home)	07 वर्षों की अवधि हेतु आकार 20'x20'(1) = 400 वर्ग फीट के, गांजावाला लेन से आनेवाले यातायात और पश्चिमोन्मुख, एसएसई (पी.वे) – बीवीआई के कम्पाउंड में, बोरीवली स्टेशन पश्चिम में नये होर्डिंग स्ट्रक्चर के उत्थापन के जरिए विज्ञापन के प्रदर्शन हेतु थोक विज्ञापन अधिकार	2557	05-06-25, 15:30:00
2	ADVT-BCT-BVI-OH-364-25-2 (Advertising - Out of Home)	07 वर्षों की अवधि हेतु आकार 30'x30'(1)=900 वर्ग फीट के दक्षिणोन्मुख मौजूदा होर्डिंग स्ट्रक्चर के पूर्वी तरफ, बोरीवली स्टेशन उत्तर पूर्व सर्कुलेटिंग क्षेत्र में नये होर्डिंग स्ट्रक्चर के उत्थापन के जरिए विज्ञापन के प्रदर्शन हेतु थोक विज्ञापन अधिकार.	2557	05-06-25, 15:40:00
3	ADVT-BCT-NIG-OH-366-25-1 (Advertising - Out of Home)	07 वर्षों की अवधि हेतु कुल 1600 वर्गफीट के आकार 20'x20' (2) V-आकृति के 02 होर्डिंग स्ट्रक्चर – नायगांव आरओबी पर नये होर्डिंग स्ट्रक्चर्स के उत्थापन के जरिए विज्ञापन के प्रदर्शन हेतु थोक विज्ञापन अधिकार.	2557	05-06-25, 15:50:00
4	ADVT-BCT-MX-OH-296-25-1 (Advertising - Out of Home)	05 वर्षों की अवधि हेतु पश्चिम रेलवे में कुल 3200 वर्गफीट के डिसप्ले एरिया के, 40'x40'(2) आकार के - बैक टू बैक, महालक्ष्मी स्क्रैप यार्ड और किमी. 5/28 से 6/9 के बीच टूल रूम के पास, उत्तर पश्चिम तरफ, महालक्ष्मी स्टेशन (पश्चिम) पर होर्डिंग्स पर विज्ञापन का प्रदर्शन.	1826	05-06-25, 16:00:00
5	ADVT-BCT-CCG-OH-394-25- 1 (Advertising-Out of Home)	सड़क उन्मुख, प्लेटफॉर्म नं. 1 पिलर वॉल्स के पश्चिमी तरफ, चर्चगेट स्टेशन पर वॉल पेंटिंग के जरिए विज्ञापन के प्रदर्शन हेतु थोक विज्ञापन अधिकार.	730	05-06-25, 16:10:00
6	ADVT-BCT-MMCT-OSN-401-25-1 (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	3 वर्षों की अवधि हेतु मुंबई मंडल, पश्चिम रेलवे के विभिन्न स्टेशनों पर लिफ्ट्स पर थोक विज्ञापन अधिकार.	1096	05-06-25, 16:20:00
7	ADVT-BCT-ADH-OSN-393- 24-1 (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	3 वर्षों की अवधि हेतु फूट ओवर ब्रिजेस तथा सीढ़ियों की लैडिंग्स पर अंधेरी (एडीएच) स्टेशन पर थोक विज्ञापन अधिकार.	1096	05-06-25, 16:30:00

नीलामी पुस्तिका क्र.	नीलामी का आरंभ (सभी लॉट्स)
MMCT-ADVTM25-14	06.06.2025 को 14.00.00 बजे

अ. क्र.	लॉट क्र.	स्थान /एरिया	दिवस	ई-नीलामी बंद होने की तिथि एवं समय
1	MSS-BCT-CCG-MedStn-73-25-1 (Misc-Static-Services- Medical facilities at station)	5 वर्षों की अवधि हेतु चर्चगेट (सीसीजी) रेलवे स्टेशन पर आपातकालीन चिकित्सा कक्ष के जरिए चौबीस घंटे चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करना.	1826	06-06-25, 14:30:00

टिप्पणी : संभावी बोलीकर्ताओं से अनुरोध है कि वे आईआरईपीएस वेबसाइट (www.ireps.gov.in) पर ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल का अवलोकन करें. लॉट अनुसार विवरण निर्दिष्ट पुस्तिका अंतर्गत उपलब्ध है. 0195

Like us on: facebook.com/WesternRly | Follow us on: twitter.com/WesternRly

संक्षेप

अवध विवि के कुलपति ने किया सुल्तानपुर में किया निरीक्षण

जीएसपीजी कॉलेज में 500 छात्रों की परीक्षा के दौरान व्यवस्था चाक-चौबंद

सुलतानपुर, अवध विवि के कुलपति ने किया सुल्तानपुर में किया निरीक्षण जीएसपीजी कॉलेज में 500 छात्रों की परीक्षा के दौरान व्यवस्था चाक-चौबंद, कुलपति ने की तारीफ सुल्तानपुर के गनपत सहाय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विजेन्द्र सिंह ने औचक निरीक्षण किया। शनिवार को विश्वविद्यालय की मुख्य परीक्षा की दूसरी पाली चल रही थी। इस दौरान बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर, एम.एस-सी. द्वितीय सेमेस्टर और एम.कॉम. द्वितीय सेमेस्टर के करीब 500 छात्र परीक्षा दे रहे थे। कुलपति के साथ विश्वविद्यालय का उड़न दस्ता भी मौजूद था। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अंग्रेज सिंह 'राणा' और कॉलेज का आंतरिक उड़न दस्ता भी निरीक्षण में शामिल रहा। कुलपति ने परीक्षा कक्षों के साथ कंट्रोल रूम का जायजा लिया। उन्होंने प्रश्नपत्रों और उत्तर पुस्तिकाओं के नोडल कक्ष की व्यवस्था की भी जांच की।

भारतीय चमार महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष को मिली धमकी

विजय राणा की सुरक्षा की मांग, प्रशासन उच्च स्तरीय जांच कर करें कार्रवाई

सुलतानपुर, भारतीय चमार महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय राणा को अज्ञात लोगों से जान से मारने की धमकी मिली है। इस मामले में जिला प्रशासन की ओर से अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश से मिलने का समय मांगा है। वे इस मामले की गंभीरता से अवगत कराना चाहते हैं। प्रतिनिधिमंडल की मुख्य मांगें- धमकी देने वालों की गिरफ्तारी, जिला प्रशासन की निष्क्रियता की जांच और अनुसूचित जाति-जनजाति के नेताओं की सुरक्षा के लिए विशेष निगरानी सेल का गठन हो। संगठन का कहना है कि यह घटना न केवल एक व्यक्ति बल्कि पूरे समाज की अस्मिता पर हमला है। इस घटना से अनुयायियों में आक्रोश और असुरक्षा की भावना है। सोशल मीडिया पर घटना की जानकारी सार्वजनिक होने के बाद भी प्रशासन की चुप्पी चिंताजनक है।

खड़े ट्रक से टकराया सीएनजी ऑटो, 2 की मौत

4 गंभीर घायल, बांदा-बहराइच स्टेट हाईवे पर हुआ हादसा, दोनों वाहन सीज

बांदा, बांदा-बहराइच स्टेट हाईवे पर एक सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। तिंदवारी थाना क्षेत्र के मुंगुस के पास यह हादसा हुआ। दोपहर के समय बांदा की तरफ से आ रहे सीएनजी ऑटो के चालक ने नियंत्रण खो दिया। ऑटो सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से टकरा गया। हादसे में ऑटो में सवार 6 लोग घायल हो गए।

मां शारदा हॉस्पिटल का पंजीकरण निलंबित

गलत ऑपरेशन करने से हुई थी मरीज की मौत, डीएम के आदेश पर ओटी, ओपीडी सील

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, शंकरगढ़ नारी बारी स्थित मां शारदा हॉस्पिटल का पंजीकरण आज शनिवार को निलंबित कर दिया गया। दरअसल, इस अस्पताल में भर्ती एक पथरी के मरीज का ऑपरेशन किया गया था। ऑपरेशन में हुई लापरवाही के चलते मरीज की मौत हो गई थी। इसकी शिकायत पर डीएम रविंद्र कुमार मांदड़ भी सख्त दिखे। उन्होंने इसके लिए जांच कर सीएमओ से कार्रवाई की बात कही थी। इसके बाद सीएमओ डॉ. एके तिवारी ने आज शनिवार को एसीएमओ डॉ. आरसी पांडेय के नेतृत्व में एक टीम अस्पताल पहुंची थी। यहां अस्पताल

का पंजीकरण निलंबित कर दिया गया। इसके साथ ही ओपीडी, ओटी व पैथालॉजी आदि को भी सील कर दिया गया। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आरसी पांडेय की मौजूदगी में निरीक्षण के लिए पहुंची टीम ने बारीकी से छानबीन की। यहां पाया गया कि अस्पताल में 12 मरीज भर्ती किए गए हैं। सीएमओ आफिस में पंजीकरण के लिए दिए गए प्रपत्र में जिन डॉक्टरों के नाम दिए गए थे उसमें कोई भी डॉक्टर नहीं मिला, अधिकांश पैरा मेडिकल भी नहीं थे। निरीक्षण के दौरान संचालक को निर्देशित किया गया है कि 2 दिन के अंदर यहां भर्ती मरीजों को कहीं और शिफ्ट कराएं और पंजीकरण निलंबन के दौरान कोई भी चिकित्सकीय कार्य यहां नहीं किया जाएगा।

यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्र की सड़क हादसे में मौत

हाईकोर्ट हनुमान मंदिर के पास हुई दुर्घटना, बिहार के लखीसराय का था युवक

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, सिविल लाइंस में हाईकोर्ट हनुमान मंदिर के पास एक सड़क हादसा हुआ। इस हादसे में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व विधि छात्र की मौत हो गई। मृतक की पहचान बिहार के लखीसराय जिले के रहने वाले 25 वर्षीय गौतम आनंद के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने घटना की जानकारी मृतक के परिजनों को दे दी है। दुर्घटना किस वाहन से हुई, इसकी अभी तक कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। इससे दुर्घटना के सही कारणों का पता लगाया जा सकेगा। स्थानीय लोगों के अनुसार यह जगह पहले भी कई दुर्घटनाओं का गवाह रह चुकी है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से इस क्षेत्र की यातायात व्यवस्था को बेहतर करने की मांग की है। इससे भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं को रोका जा सकेगा। पुलिस ने मामले की पूरी जांच का आश्वासन दिया है।

2 साल की बच्ची को सांप ने डसा

बिल में हाथ डालने पर हुआ हादसा, प्रयागराज मेडिकल कॉलेज में चल रहा इलाज

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी, केल्लाही बाजार पुन्नपुर में एक दुखद घटना सामने आई। जितेंद्र कुमार वर्मा की 2 वर्षीय बेटी शिवांशी घर के अंदर खेल रही थी। खेलते समय बच्ची ने एक बिल में हाथ डाल दिया। बिल में मौजूद सांप ने उसे डस लिया। बच्ची के रोने की आवाज सुनकर परिजन तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने बिल की जांच की, जहां सांप मिला। बच्ची की हालत बिगड़ती देख परिजन उसे तत्काल जिला अस्पताल प्रतापगढ़ ले गए। वहां से डॉक्टरों ने शिवांशी को स्वरूप रानी मेडिकल कॉलेज प्रयागराज रेफर कर दिया। वर्तमान में बच्ची का प्रयागराज मेडिकल कॉलेज में इलाज जारी है।

जमानत पर छूटे आरोपी ने हथियार दिखाकर धमकाया

हत्या के मामले में पैरवी करने वाले ड्राइवर को डराया, एफआईआर दर्ज

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, एक हत्या मामले में जमानत पर छूटे आरोपी एजाज ने फिर से कानून को चुनौती दी है। उसने मुकदमे की पैरवी करने वाले नूर मोहम्मद के ड्राइवर शहंशाह को अवैध हथियार दिखाकर धमकी दी। यह घटना भुल्की गांव में हुई, जब शहंशाह अपनी भाभी के साथ वहां गया था। नगर पालिका कर्मचारी इबरार अहमद की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। 2019 में इबरार के बेटे चांद बाबू की भी हत्या कर दी गई,

जो पिता की हत्या के मामले की पैरवी कर रहे थे। दोनों हत्याओं में भुल्की गांव के मो एजाज का नाम सामने आया था। पुलिस ने एजाज को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। एजाज पांच साल जेल में रहने के बाद कुछ महीने पहले ही जमानत पर बाहर आया है। अब नूर मोहम्मद उर्फ आजाद इस मामले की कोर्ट में पैरवी कर रहे हैं। एजाज की धमकी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह खुलेआम अवैध हथियार दिखा रहा है। स्थानीय लोगों के विरोध के बावजूद एजाज ने धमकियां देना जारी रखा। पीड़ित शहंशाह की शिकायत पर देहात कोतवाली पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

टैंकर ने कार को टक्कर मारकर घर में घुसा

चालक की मौत; मकान का अगला हिस्सा और कार क्षतिग्रस्त

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, मोहनगंज थाना क्षेत्र में नारायणगंज चौराहे पर एक टैंकर ने कई वाहनों को टक्कर मार दी। वहीं हादसे में टैंकर घर में घुस गया। जिससे चालक की मौत हो गई। टैंकर चालक ने पहले एक कार और पान की गुमटी को टक्कर मारी। स्थानीय लोगों द्वारा पीछा किए जाने पर टैंकर ने सामने से आ रहे एक अन्य टैंकर से टकराने के बाद सड़क किनारे स्थित एक मकान में घुस गया। हादसे में टैंकर चालक अवधेश कुमार (31) की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक जायस थाना क्षेत्र के पूरे अजीम हरबंशगंज गांव का निवासी था। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मकान का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। प्रत्यक्षदर्शी शिवकुमार चौरसिया के अनुसार, यदि यह हादसा दिन के समय हुआ होता तो बड़ी जनहानि हो सकती थी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद शव को बाहर निकाला और विधिक कार्यवाही शुरू कर दी है।

थाना समाधान दिवस में डीएम का निरीक्षण

भूमि विवाद से लेकर अवैध कब्जों तक की शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई के आदेश

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, जनपद के सभी थानों में शासन के निर्देश पर माह के चौथे शनिवार को थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी संजय चौहान ने मुंशीगंज थाने में पहुंचकर जन समस्याओं की सुनवाई की। डीएम ने राजस्व निरीक्षक और लेखपालों से उनके क्षेत्रों की समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने सभी लेखपालों और कानूनगो को क्षेत्र की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। भूमि विवाद, नाली, चकमार्ग पर कब्जे, सरकारी भूमि पर कब्जे, तालाबों पर कब्जे और अवैध अतिक्रमण की शिकायतों को प्राथमिकता से निपटाने को कहा। जिलाधिकारी ने कहा कि जहां पुलिस बल की आवश्यकता हो, वहां थाने से संपर्क कर पुलिस टीम के साथ मौके पर जाकर शिकायत का निस्तारण किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी लेखपाल या कानूनगो के क्षेत्र में शिकायत लंबित पाई गई तो संबंधित के खिलाफ कठोर कार्रवाही की जाएगी। कार्यक्रम में उपजिलाधिकारी अमेठी आशीष कुमार सिंह, थानाध्यक्ष शिवाकांत त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बुर्का पहनकर युवती से मिलने पहुंचा युवक

अलीगढ़ में पार्क में अश्लीलता करने का आरोप, कार्यदायी संस्था पर कार्रवाई की उठी मांग

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अलीगढ़, जवाहर पार्क का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें एक युवक बुरका पहनकर युवती से मिलने पहुंचा। दोनों पार्क में बैठकर बात कर रहे थे और युवक बुरका पहने हुआ था। देखने में ऐसा लग रहा था कि दोनों युवतियां ही हैं। लोगों का आरोप है कि बुरका पहनकर बैठा युवक अपने साथ बैठी युवती के साथ अश्लील हरकतें कर रहा था, जिसके कारण लोगों को संदेह हुआ। पार्क में टहलने आने वाले लोग भी उसे देखकर असहज महसूस कर रहे थे, जिसके बाद लोगों ने उसका वीडियो बना लिया और पार्क से बाहर जाने को कहा। पार्क में घूम रहे लोगों ने जब युवक को आपत्ति जनक हरकतें करते देखा तो वह उसके पास पहुंच गए। उन्होंने युवक को गलत हरकतें करने से मना किया। लोगों के आने के बाद युवक ने उनके सामने ही बुरका उतार दिया। यह सारी घटना वीडियो में कैद हो गई। लोगों ने इस आपत्ति जनक घटना के वीडियो को सोशल मीडिया और एक्स पर ट्वीट करके कार्रवाई की मांग की है। जिससे सार्वजनिक स्थान और पार्क का माहौल खराब न हो और लोग अपने परिवार के साथ वहां आ जा सके। वहीं दूसरे ओर लोग आरोपी युवक के खिलाफ भी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। वीडियो वायरल होने के बाद भाजपा नेता जवाहर पार्क की देखरेख करने वाली कार्यदायी संस्था के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि स्मार्ट सिटी के तहत इन दिनों जवाहर पार्क की देखरेख का जिम्मा एक निजी कंपनी के पास है।

वह रुपए लेकर लोगों को इस तरह की आपत्ति जनक हरकतें करने की छूट दे देते हैं। इसलिए तत्काल इनका टेंडर निरस्त होना चाहिए। सिविल लाइंस थाना प्रभारी ने बताया कि इस मामले में किसी तरह की लिखित तहरीर या शिकायत नहीं मिली है। अगर कोई लिखित शिकायत प्राप्त होगी तो मामले की जांच करते हुए कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश महामंत्री का हुआ सम्मान

सुल्तानपुर में बलदेव सिंह ने अंगवस्त्र और राम मूर्ति भेंट की

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश महामंत्री रवीन्द्र त्रिपाठी को विशेष सम्मान मिला है। वरिष्ठ समाजसेवी और काउंसिल ऑफ उद्योग व्यापार मंच के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरदार बलदेव सिंह ने उन्हें अंगवस्त्र और भगवान राम की मूर्ति भेंट की। यह सम्मान बलदेव सिंह के कैंप कार्यालय पर आयोजित व्यापारी प्रतिनिधियों की बैठक के दौरान किया गया। बैठक में व्यापारियों की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा हुई। सम्मान स्वीकार करते हुए रवीन्द्र त्रिपाठी ने कहा कि सरदार बलदेव सिंह हमेशा व्यापारियों के हित में खड़े रहे हैं। उन्होंने बलदेव सिंह को व्यापारी संगठनों का संरक्षक बताया। सरदार बलदेव सिंह ने कहा कि रवीन्द्र त्रिपाठी व्यापारियों की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी ताकत से काम करते हैं। वे सुल्तानपुर का नाम पूरे प्रदेश में रोशन कर रहे हैं। जब भी किसी व्यापारी को समस्या आती है, त्रिपाठी उनके साथ खड़े रहते हैं। कार्यक्रम में आनन्द किशोर गुप्ता, नसीम, नीरज बंसल, राम शिरोमणि तिवारी, धीरेन्द्र श्रीवास्तव, राजेन्द्र और सत्यनारायण मोदनवाल सहित कई व्यापारी नेता मौजूद रहे।

विशेष सचिव ने विकास कार्यों का लिया जायजा

इंदुमती ने जल जीवन मिशन और गौशाला में बेहतर व्यवस्था करने के दिए निर्देश

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, चीनी एवं गन्ना विभाग की विशेष सचिव इंदुमती एक दिवसीय दौरे पर अमेठी पहुंची। वह अमेठी की नोडल अधिकारी के रूप में नियुक्त की गई हैं। उन्होंने सिंहपुर विकास खंड में विकास कार्यों की जमीनी स्थिति का मूल्यांकन किया। विशेष सचिव ने सिंहपुर ब्लॉक के अहोरवा भवानी गांव में जल जीवन मिशन के तहत चल रही रेट्रोफिटिंग पाइप पेयजल योजनाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने ग्रामीणों से सीधी बातचीत कर शुद्ध पेयजल की उपलब्धता की जानकारी ली। कई घरों का दौरा कर योजना की प्रभावशीलता की जांच की। इसके अलावा, उन्होंने सिंहपुर और खारा में स्थित वृहद गौ आश्रय स्थलों का भी दौरा किया।

मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण की बोर्ड बैठक

कमिश्नर की अध्यक्षता में हुई मीटिंग, 62 एकड़ में बनने जा रही टाउनशिप की रखी डीपीआर

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मथुरा, उत्तर प्रदेश बृज तीर्थ विकास परिषद के सभागार में मंडलायुक्त आगरा मंडल शैलेन्द्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में मथुरा वृंदावन विकास प्राधिकरण की 106वीं बोर्ड बैठक हुई। बैठक में प्राधिकरण की विगत 104वीं और 105वीं बोर्ड बैठक में लिये गये निर्णयों के अनुपालन की समीक्षा की गई। प्राधिकरण सचिव द्वारा बताया गया कि बड़े आवासीय, व्यवसायिक एवं अन्य श्रेणी के आवासीय भूखंडों के स्वामियों से रेन वाटर हार्वेस्टिंग लगाए जाने के लिए दुगुनी धनराशि जमानत के रूप में ली जा रही है। प्राधिकरण की विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत आवासीय, अनावासीय संपत्तियों की ई- नीलामी हेतु पंजीकरण खोले जाने की कार्यवाही की जा रही है। 106वीं बोर्ड बैठक में नए प्रस्ताव रखे गए। जिसमें ग्राम जुल्हेंदी व कोन्हई पर न्यू टाउनशिप (होबल वृंदावन टाउनशिप) की डीपीआर स्वीकृति के संबंध में प्रस्ताव रखा गया। मल्टीमीडिया के माध्यम से डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। बैठक में बताया गया कि लगभग 62 एकड़ में यह टाउनशिप विकसित की जा रही है। 52 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया जा चुका है। बाकी बची भूमि के अधिग्रहण की प्रक्रिया चल रही है।

स्वामी, प्रकाशक , मुद्रक अरविंद कुमार शर्मा द्वारा एफ एल टी , एलजी 75 आर एम 4/4 इंदिरा नगर, सुंदर बाग, कुर्ला (प) मुंबई 400070 महाराष्ट्र से प्रकाशित एवं AIS PRINTING SOLUTION प्लांट नं० -A-544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एम आई डीसी माहपे नवी मुंबई , ठाणे 400709 से मुद्रित । संपादक - अरविंद कुमार शर्मा

EMail-bsmumbai2017@gmail.com किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय ही होगा। 8097049935,9935750291 RNI No-MAHHIN2017/74173

संपर्क का कार्यालय- 66/68 भाखरिया बिल्डिंग मीना मेहता मार्ग मोदी स्ट्रीट मुम्बई 400001

संरक्षक- डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष (हिन्दी) इलाहाबाद विश्व विद्यालय, विशेष संवाददाता- आशीष कुमार शर्मा सह, सम्पादक- माता प्रसाद शर्मा, फिल्म- संपादक-जगन्नाथ तिवारी